PRGI No. UPHIN/25/A1697

# गरवी गुजरात

PUBLISHED HINDI DAILY FROM LUCKNOW

वर्ष : 02
अंक : 054
दि. 23.06.2026,
मंगलवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

# 27 को सेशल्स पहुंच रहे पीएम मोदी, हिंद महासागर के घेरेबंदी का बन रहा है प्लान, क्या चीन की चाल होगी नाकाम ?

(जीएनएस)।

नई दिल्ली, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 27 से 29 जून तक सेशल्स के दौरे पर रहेंगे. हिंद महासागर क्षेत्र में चीन की बढ़ती गतिविधियों के बीच यह यात्रा भारत के लिए रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है. सेशल्स समुद्री सुरक्षा, ब्लू इकॉनमी, रक्षा सहयोग और अफ्रीका आउटरीच के लिहाज से भारत का अहम साझेदार है. पीएम मोदी राष्ट्रीय दिवस समारोह में मुख्य अतिथि होंगे और राष्ट्रीय असेंबली को भी संबोधित करेंगे. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 27 से 29 जून तक सेशल्स के दौरे पर जाने वाले हैं. यह सिर्फ एक विदेशी दौरा नहीं माना जा रहा, बल्कि हिंद महासागर में भारत की बढ़ती स्ट्रैटेजिक मौजूदगी और सिक्योरिटी पॉलिसी से जुड़ा अहम कदम है. पीएम मोदी ऐसे समय सेशल्स जा रहे हैं, जब चीन लगातार हिंद महासागर के कई देशों में अपना असर बढ़ाने की कोशिश कर रहा है. ऐसे में भारत अपने पुराने और भरोसेमंद दोस्त सेशल्स के साथ रिश्तों को और मजबूत करना चाहता है.

सेशल्स अफ्रीका का सबसे छोटा देश जरूर है, लेकिन इसकी लोकेशन इसे बेहद खास बनाती है. यह देश अफ्रीका के पूर्वी तट और दुनिया के बड़े समुद्री ट्रेड रूट्स के बीच स्थित है. इसी वजह से समुद्री सुरक्षा और क्षेत्रीय संतुलन के लिहाज से इसकी बड़ी भूमिका मानी जाती है. भारत लंबे समय से सेशल्स को अपनी इंडियन ओशन पॉलिसी का अहम पार्टनर मानता रहा है. यही कारण है कि दोनों देशों के रिश्ते लगातार बेहद मजबूत होते जा रहे हैं. पीएम मोदी की यह यात्रा इन संबंधों को नई दिशा देने वाले हैं.

चीन की बढ़ती एक्टिविटी पर भारत की नजरः पिछले कुछ सालों में चीन ने कई द्वीपीय और तटीय देशों में बड़े पैमाने पर निवेश किया है. पोर्ट प्रोजेक्ट्स, इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट और फाइनेंशियल सपोर्ट के जरिए उसने अपनी मौजूदगी बढ़ाने की कोशिश की है. इसी को देखते हुए भारत भी अपने पुराने मित्र देशों के साथ सहयोग बढ़ा रहा है. सेशल्स के साथ मजबूत होते रिश्तों को इसी स्ट्रैटेजी का हिस्सा माना जा रहा है.

डिफेंस और सिक्योरिटी पर रहेगा फोकसः भारत और सेशल्स के बीच डिफेंस और मैरीटाइम सिक्योरिटी को लेकर अच्छा सहयोग रहा है. भारत ने सेशल्स को कोस्ट गार्ड शिप्स, सर्विलांस इक्विपमेंट,

ट्रेनिंग और टेक्निकल सपोर्ट भी दिया है. समुद्री निगरानी से लेकर डिजास्टर मैनेजमेंट तक दोनों देश मिलकर काम कर रहे हैं. माना जा रहा है कि पीएम मोदी की यात्रा के दौरान मैरीटाइम सिक्योरिटी, ब्लू इकॉनमी, डिफेंस कोऑपरेशन, डिजिटल कनेक्टिविटी और स्किल डेवलपमेंट जैसे क्षेत्रों में नए एग्रीमेंट्स या प्रोजेक्ट्स की घोषणा हो सकती है.

हिंद महासागर में बढ़ रही हैं नई चुनौतियांः आज हिंद महासागर दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री क्षेत्रों में शामिल है. दुनिया के बड़े हिस्से का व्यापार इसी रास्ते से गुजरता है. ऐसे में समुद्री लूटपाट, गैरकानूनी फिशिंग, हथियारों की तस्करी और ड्रग्स स्मगलिंग जैसी समस्याएं भी बढ़ रही हैं. भारत और सेशल्स इन चुनौतियों से मिलकर निपटने के लिए अपने सहयोग को और मजबूत कर सकते हैं.

कोलंबो सिक्योरिटी डायलॉग पर भी होगी चर्चाः इस दौरे का एक अहम पहलू कोलंबो सिक्योरिटी डायलॉग भी माना जा रहा है. सेशल्स अब इस रीजनल सिक्योरिटी ग्रुप का सदस्य है और उसकी भूमिका लगातार बढ़ रही है. भविष्य में इस मंच को एक इंटरनेशनल ऑर्गेनाइजेशन का रूप देने की भी तैयारी चल रही है. ऐसे में सेशल्स की भागीदारी हिंद महासागर क्षेत्र की सामूहिक सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बना सकती है.

**अफ्रीका तक पहुंच बढ़ाने की कोशिश**

विशेषज्ञों का मानना है कि यह दौरा भारत की अफ्रीका पॉलिसी से भी जुड़ा हुआ है. पिछले कुछ वर्षों में भारत ने अफ्रीकी देशों के साथ व्यापार, निवेश और डेवलपमेंट पार्टनरशिप बढ़ाने पर खास ध्यान दिया है. सेशल्स को हिंद महासागर और अफ्रीका के बीच भारत के लिए एक अहम स्ट्रैटेजिक हब माना जाता है. इसलिए यह यात्रा भारत के अफ्रीका आउटरीच मिशन को भी नई रफ्तार दे सकती है.

**नेशनल डे समारोह में शामिल होंगे पीएम मोदी**

पीएम नरेंद्र मोदी का यह दौरा कई वजहों से खास माना जा रहा है. यह एक स्टैंडअलोन विजिट है, यानी इसे किसी दूसरे देश के दौरे के साथ नहीं जोड़ा गया है. अपने दौरे के दौरान पीएम मोदी सेशल्स के नेशनल डे सेलिब्रेशन में चीफ गेस्ट के तौर पर शामिल होंगे. इसके अलावा वे वहां

## लखनऊ कोचिंग अग्निकांड पर पीएम मोदी-राहुल गांधी ने जताया दुख, प्रधानमंत्री ने किया मृतकों और घायलों के लिए मुआवजे का ऐलान

**उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के अलीगंज में हुए कोचिंग अग्निकांड मामले में पीएम, राहुल गांधी, राजनाथ सिंह समेत कई राजनेताओं ने दुख जताया है। साथ ही पीएम मोदी ने मृतकों के लिए 2-2 लाख रुपये के मुआवजे का भी ऐलान किया है।**

(जीएनएस)।

नई दिल्लीः उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में एक कोचिंग इंस्टीट्यूट में भीषण आग लग गई। कोचिंग सेंटर से अब तक 14 लोगों के शव निकाले जा चुके हैं। इस भयावह अग्निकांड को लेकर पीएम मोदी, राहुल गांधी, राजनाथ सिंह समेत कई नेताओं ने दुख व्यक्त किया है। साथ ही पीएम मोदी ने मृतकों के परिजन को दो-दो लाख रुपये मुआवजे का ऐलान किया है। यूपी के सीएम मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस दुखद घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया है।

लखनऊ कोचिंग अग्निकांड पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा 'उत्तर प्रदेश के लखनऊ में आग लगने की घटना में हुई मौतों से बहुत दुख हुआ है। पीड़ित परिवारों के प्रति मेरी संवेदनाएं। घायल लोग जल्द से जल्द ठीक हों। बचाव कार्य चल रहा है और अधिकारी हर संभव मदद पहुंचा रहे हैं।' इसके साथ ही पीएम मोदी ने ढटठफ्ङ्क से मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख रुपये

की अनुग्रह राशि का भी ऐलान किया है। साथ ही घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे।

लखनऊ हादसे पर उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि उत्तर प्रदेश के लखनऊ में हुई अग्निकांड में हुई जानमाल की हानि अत्यंत दुखद है। मेरी हार्दिक संवेदनाएं पीड़ित परिवारों के साथ हैं। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।

**राहुल गांधी ने जताया दुख**

राहुल गांधी ने भी इस भीषण अग्निकांड पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा- 'लखनऊ के कोचिंग सेंटर में आग लगने के हादसे में कई लोगों की मृत्यु और कई अन्य के घायल होने का समाचार अत्यंत पीड़ादायक है। सभी शोकाकुल परिवारों को अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की आशा करता हूं।'

**राजनाथ सिंह ने शोक व्यक्त किया**

रक्षामंत्री व लखनऊ से सांसद राजनाथ सिंह ने हादसे पर शोक व्यक्त करते हुए कहा, 'लखनऊ के अलीगंज इलाके में एक कोचिंग सेंटर में आग लगने से हुआ हादसा मन को व्यथित करने वाला है। मेरी संवेदनाएं उन सभी परिवारों के साथ है, जिन्होंने इस घटना में अपने प्रियजनों को खोया है। इसके साथ ही मैं सभी घायलों के जल्द से जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं।'

**और बढ़ सकती है हताहतों की संख्या**

इस हादसे में मृतकों की आयु 20 से 24 वर्ष के बीच बताई जा रही है। आसपास के इलाके में घटना से दहशत फैल गई और आशंका जताई जा रही है कि हताहतों की संख्या और बढ़ सकती है।

जानकारी के अनुसार इमारत के अंदर चल रहे एक कोचिंग सेंटर में आग लगने से पूरा परिसर तेजी से घने धुएं से भर गया और छात्रों और अन्य उपस्थित लोगों में अफरा-तफरी मच गई। जान बचाने की कोशिश में कुछ लोग ऊपरी मंजिलों और छत से कूद गए, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए।

**खिड़कियों से कूदे छात्र**

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि दोपहर में सबसे पहले इमारत से धुआं उठता देखा गया और देखते ही देखते आग तेजी से फैल गई और पूरी इमारत को अपनी चपेट में ले लिया। आग और धुएं से निकास मार्ग अवरुद्ध होने के कारण, घबराए हुए छात्र खिड़कियों और छत की ओर भागे।

## ट्रंप की धमकी के बाद बैठक से ईरान ने किया वॉकआउट,अमेरिका-ईरान की पहली बैठक बेनतीजा

स्विट्जरलैंड के बुर्गेनस्टॉक रिजॉर्ट में अमेरिका और ईरान के बीच चल रही शांति वार्ता गंभीर संकट में घिर गई है। अमेरिकी

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान पर फिर से हमले की कड़ी चेतावनी के बाद ईरानी प्रतिनिधिमंडल ने आमाने-सामने हो रही इस मीटिंग से वॉकआउट कर दिया। इसके साथ ही, ईरान द्वारा स्ट्रेट ऑफ हॉरमुज को दोबारा बंद करने से कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल आया है।

यह वार्ता पिछले हफ्ते दोनों देशों द्वारा अंतरिम शांति समझौते को लागू करने से संबंधित थी जिसका उद्देश्य युद्ध को समाप्त करना है।

## लखनऊ के कोचिंग सेंटर में आग, 18 छात्रों की मौत, मौके पर डिप्टी सीएम; योगी अलीगढ़ से लौटे

(जीएनएस)।

लखनऊ। अलीगंज के सेक्टर डी में सोमवार दोपहर निजी कोचिंग सेंटर में आग लग गई। कुछ ही देर में लपटें विकराल हो गई। आसपास के लोगों ने सूचना दमकल को दी। मौके पर पहुंची दमकल की गाड़ियों ने आग बुझाने के प्रयास शुरू किए हैं। इस हादसे में 18 छात्रों की मौत हो गई और कई झुलस गए हैं।

आग कैसे लगी अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है। आसपास के लोगों का कहना है कि कुछ लोग अंदर फंसे हैं। हालांकि अभी तक आधिकारिक रूप से घटना को लेकर कोई बयान सामने नहीं आया है।

कई विद्यार्थियों ने नीचे कूद कर जान बचाई। कुछ को गंभीर रूप से चोटें आयी हैं। जिस इमारत में आग लगी वहां पर पहले दो तल पर पेट शाप और गेमिंग जोन था और तीसरे तल पर कोचिंग और लाइब्रेरी थी।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य में तेजी लाने व घायलों को उचित उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। प्रशासन को हर स्तर पर सतर्कता बरतने के भी निर्देश दिए गए हैं।

उत्तर प्रदेश के डिप्टी उट ब्रजेश पाठक ने कहा किक हमें पता चला है कि अभी सबसे ऊपरी मंजिल पर कोई नहीं है। फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों ने अंदर जाने के लिए पहली मंजिल की एक दीवार तोड़ी है। वहां बहुत ज्यादा धुआं है। हर कमरे की तलाशी ली जा रही है। हमारी प्राथमिकता सभी बच्चों को सुरक्षित बाहर निकालना है। प्रशासन और मेडिकल टीमों को हाई अलर्ट पर रखा गया है।

उन्होंने कहा कि एम्बुलेंस मौके पर मौजूद हैं और हमने डॉक्टरों को भी यहां बुलाया है। जिन बच्चों को तुरंत प्राथमिक उपचार की जरूरत हो सकती है, उन्हें यहीं पर इलाज देने का इंतजाम भी किया गया है।

## कतरे में एलएनजी गैस प्लांट में 'तकनीकी दुर्घटना' के चलते विस्फोट, भारतीयों समेत 13 की मौत, भारतीय दूतावास ने जारी की हेल्पलाइन

(जीएनएस)।

खाड़ी देश कतर में दुनिया के सबसे बड़े और अहम LNG (लिक्विफाइड नेचुरल गैस) हब में से एक रास लफ्फान इंडस्ट्रियल सिटी के बारजान गैस प्लांट में रविवार, 21 जून की शाम भीषण विस्फोट हो गया।

इस हादसे में 13 कर्मचारियों की मौत हो गई, जबकि 66 लोग घायल बताए जा रहे हैं। कतर के ऊर्जा मंत्री और कतरएनर्जी के सीईओ साद अल-काबी ने इसकी पुष्टि की है।

कतर के ऊर्जा मंत्री के मुताबिक, मृतकों और घायलों में भारतीय और पाकिस्तानी नागरिक शामिल हैं। यह विस्फोट उस समय हुआ, जब कर्मचारी ईरानी मिसाइल हमले के बाद बंद पड़े प्लांट को दोबारा शुरू करने का काम कर रहे थे।

यह धमाका रास लाफान इंडस्ट्रियल सिटी के बरजान गैस सप्लाई फैसिलिटी में हुआ। यह क्षेत्र कतर का सबसे बड़ा एलपीजी उत्पादन और निर्यात केंद्र माना जाता है। रास लाफान दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण गैस हब में से एक है और कतर की अर्थव्यवस्था में इसकी अहम भूमिका है। यहां से बड़ी मात्रा में

प्राकृतिक गैस दुनिया के कई देशों को निर्यात की जाती है। धमाका इतना जोरदार और भयानक था कि इसकी गूंज घटनास्थल से करीब 70 किलोमीटर दूर कतर की राजधानी सेंट्रल दोहा तक महसूस की गई।

साद अल-काबी ने सोमवार, 22 जून को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि हादसे में जान गंवाने वाले लोगों में भारतीय और पाकिस्तानी नागरिक शामिल हैं। उन्होंने कहा, "आज मुझे एक ऐसी दुखद खबर साझा करनी पड़ रही है, जिसकी मैंने कभी उम्मीद नहीं की थी। हमारे 13 कर्मचारियों की जान चली गई है, जो भारतीय और पाकिस्तानी नागरिक थे।" उन्होंने बताया कि 66 लोग घायल हुए हैं और सभी का इलाज चल रहा है। राहत की बात यह है कि किसी भी घायल की हालत फिलहाल जानलेवा नहीं बताई गई है।

ऊर्जा मंत्री ने साफ किया कि यह कोई आतंकवादी हमला या तोड़फोड़ नहीं है, बल्कि एक "तकनीकी दुर्घटना" है। दरअसल, मार्च 2026 में ईरान के साथ हुए संघर्ष के दौरान ईरानी मिसाइलों ने रास लफ्फान की दो मुख्य गैस-प्रोसेसिंग यूनिट्स पर हमला किया था, जिससे कतर की 17 फीसदी एलएनजी एक्सपोर्ट क्षमता ठप हो गई थी।

सुरक्षा के चलते इस प्लांट को दिसंबर 2025 से ही पूरी तरह बंद रखा गया था। केवल दो दिन पहले ही इसे दोबारा शुरू करने की तैयारी हो रही थी।

## अमेरिका ने ईरान के तेल बेचने पर प्रतिबंध हटायाःअगले 60 दिन भारत भी खरीद सकता है, ईरान में फिर तैनात होंगे यूएन के न्यूक्लियर इंस्पेक्टर

(जीएनएस)।

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन, अमेरिका ने ईरान के तेल और पेट्रोकेमिकल उत्पादों की बिक्री पर लगी पाबंदियों में 60 दिन की ढील दे दी है। यह फैसला स्विट्जरलैंड में दोनों देशों के बीच हुई बातचीत के बाद लिया गया है।

अमेरिकी वित्त मंत्रालय ने ईरानी मूल के कच्चे तेल, पेट्रोलियम और पेट्रोकेमिकल उत्पादों के उत्पादन, डिलीवरी और बिक्री के लिए अस्थायी सामान्य लाइसेंस जारी किया है। यह छूट 21 अगस्त तक लागू रहेगी। इससे भारत समेत कई देश फिर से ईरानी तेल खरीद सकेंगे।

वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा कि स्विट्जरलैंड में हुई वार्ता के दौरान ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट में बिना रोक-टोक आवाजाही बनाए रखने का भरोसा दिया है। इसके साथ ही ईरान वठ की परमाणु एजेंसी क्ष्अएअ के इंस्पेक्टर्स को दोबारा देश में काम करने की मंजूरी देने पर भी सहमति जताई है।

अमेरिका और ईरान के बीच आज स्विट्जरलैंड में लगातार दूसरे दिन भी बातचीत हुई। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने अमेरिका की कोशिश ईरान के साथ स्थायी समझौते तक पहुंचने की है और अब तक की बातचीत में अच्छी तरह आगे बढ़ी है।

पिछले 24 घंटे के 5 बड़े अपडेट्सङ्ग

1. ईरान-अमेरिका के बीच बातचीतः दोनों देशों के प्रतिनिधियों के बीच रविवार को स्विट्जरलैंड में करीब 80 मिनट तक बातचीत हुई। दोनों देश 60 दिन के युद्धविराम को स्थायी शांति समझौते में बदलने की कोशिश कर रहे हैं।

2. वेंस बोले- मिलकर शांति के लिए काम करेंगेः अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा कि बातचीत में अच्छी प्रगति हुई है। उनके मुताबिक, दोनों देश मिलकर शांति और समृद्धि को बढ़ावा दे सकते हैं और ट्रम्प अगले 10 साल में पश्चिम एशिया की तस्वीर बदलना चाहते हैं।

3. ट्रम्प की ईरान को धमकीः ट्रम्प ने कहा कि ईरान लेबनान में अपने समर्थक हिजबुल्लाह को तुरंत रोके। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसा नहीं होने पर अमेरिका पिछले हफ्ते से भी ज्यादा सख्त कार्रवाई करेगा।

4. लेबनान में मौतों का आंकड़ा 4,100 के पारः लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, 2 मार्च से अब तक 4,106 लोगों की मौत और 12,153 लोग घायल हुए हैं। वहीं, इजराइली सेना प्रमुख इयाल जमीर ने कहा कि हिजबुल्लाह के साथ लड़ाई दोबारा शुरू हो सकती है।

5. ईरान का दावा- कतर में फंसे 6 अरब डॉलर मिलेंगेः ईरानी राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने कहा कि अमेरिका के साथ हुए शुरूआती समझौते के तहत कतर में जमा ईरान के 6 अरब डॉलर वापस मिलेंगे। उन्होंने दावा किया कि समझौते की शर्तें तेहरान के पक्ष में हैं।

## 'अमित शाह की प्रधानमंत्री बनने की महत्वाकांक्षा...' पीएम मोदी के खिलाफ कर सकते हैं विद्रोह, संजय राउत का सीधा अटैक

**महाराष्ट्र में 'ऑपरेशन टाइगर' में उद्धव ठाकरे के छह लोकसभा सांसदों के टूटने के बीच संजय राउत ने विवाद खड़ा करने वाला बयान दिया है। राउत ने कहा है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पीएम बनना चाहते हैं, इसलिए वह अपनी पोजिशन मजबूत करने में जुटे हैं। राउत ने शिंदे को टेस्ट ट्यूब बेबी बताया है।**

(जीएनएस)।

मुंबईः महाराष्ट्र में 'ऑपरेशन टाइगर' ने राजनीतिक में सियासी भूचाल ला दिया है। चार साल बार एक बार फिर से उद्धव ठाकरे की पार्टी को झटका लगा है। इस सब के बीच शिवसेना यूबीटी से राज्यसभा के सांसद संजय राउत ने विवाद खड़ा करने वाला बयान दिया है। राउत ने कहा है कि अमित शाह देश के प्रधानमंत्री बनने की महत्वाकांक्षा रखते हैं और इसके लिए वे क्षेत्रीय दलों तथा सांसदों को तोड़ने की रणनीति पर काम कर रहे हैं। राउत ने कहा कि भविष्य में अमित शाह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ भी राजनीतिक बगावत कर सकते हैं। देश में मौजूदा हालात राजनीतिक अस्थिरता के नहीं, बल्कि शाह की नीतियों से उत्पन्न अराजकता के संकेत हैं। उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना यूबीटी के मुखपत्र सामना में भी अमित शाह और बीजेपी पर हमला बोला गया है।

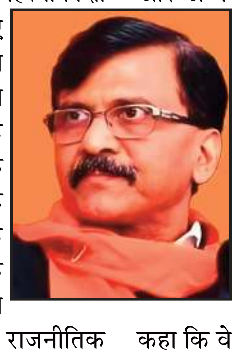

एकनाथ शिंदे भी इसमें शामिल

राउत का कहना है कि महाराष्ट्र और अन्य राज्यों में चल रही सांसदों की तोड़फोड़ इसी बड़े राजनीतिक षड्यंत्र का हिस्सा है। उन्होंने दावा किया कि इस पूरी रणनीति में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे भी शामिल हैं। राउत ने यह बयान देते हुए एक बार फिर से एकनाथ शिंदे को निशाने पर लिया और कहा कि वे अमित शाह के 'टेस्ट ट्यूब बेबी' हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि शिंदे और शाह मिलकर प्रधानमंत्री मोदी के सामने चुनौती खड़ी कर रहे हैं। राउत ने दावा किया कि मोदी के बाद बीजेपी से कोई अन्य नेता प्रधानमंत्री नहीं बनेगा। उन्होंने कहा कि वर्तमान राजनीतिक घटनाक्रम इसी संघर्ष की ओर संकेत करते हैं। राउत के इस बयान से महाराष्ट्र की राजनीति में विवाद और भड़क सकता है।

शिवसेना (शिंदे गुट) के प्रवक्ता और विधायक संजय शिरसाट ने शिवसेना (उद्धव गुट) के नेता संजय राउत पर बेहद तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि राउत को गंभीरता से लेने की जरूरत नहीं है और उनके बयानों पर ध्यान नहीं देना चाहिए। शिरसाट ने कहा कि भविष्य में कौन प्रधानमंत्री बनेगा या किसी चुनाव में क्या होगा, इस पर टिप्पणी करना उचित नहीं है। दरसअल, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कोल्हापुर के दौरे में एकनाथ शिंदे को शिवसेना अध्यक्ष कहकर संबोधित किया था।

# सम्पादकीय

## अमेरिका- ईरान वार्ता में अवरोध

लगभग चार महीनों से पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच अमेरिका और ईरान के बीच हुआ प्रारंभिक समझौता (एमओयू) अब अपनी सबसे कठिन परीक्षा से गुजर रहा है। स्विट्जरलैंड में प्रस्तावित वार्ता से पहले ही यह स्पष्ट हो गया है कि समझौते का सबसे संवेदनशील मुद्दा-लेबनान में जारी इज़रायली सैन्य कार्रवाई और उससे जुड़ा युद्धविराम-अभी तक पूरी तरह लागू नहीं हो पाया है। यही कारण है कि दोनों पक्षों के बीच अविश्वास फिर से उभरता दिखाई दे रहा है।

हाल के दिनों में अमेरिका और ईरान के बीच एक 14-सूत्रीय समझौते की रूपरेखा तैयार की गई थी। इस ढांचे का उद्देश्य परमाणु कार्यव्रम, क्षेत्रीय सुरक्षा, प्रतिबंधों से जुड़े मुद्दों और होर्मुज जलडमरूमध्य में नौवहन की सुरक्षा पर आगे की बातचीत का मार्ग प्रशस्त करना था। इस प्रव्रिया में पाकिस्तान और कतर ने मध्यस्थ की भूमिका निभाई। समझौते के बाद स्विट्जरलैंड में औपचारिक वार्ता और आगे की बातचीत प्रस्तावित थी।

लेकिन घटनाव्रम ने अचानक नया मोड़ ले लिया। लेबनान में इजरायल और हिज्बुल्लाह के बीच संघर्ष फिर भड़क उठा। दोनों पक्षों के बीच हुए युद्धविराम के बावजूद रॉकेट हमले, जवाबी हवाई हमले और सीमा पर सैन्य गतिविधियां जारी रहीं। इन घटनाओं ने उस बुनियादी शर्त को कमजोर कर दिया जिस पर ईरान ने आगे की वार्ता के लिए सहमति जताई थी।

ईरानी नेतृत्व का कहना है कि यदि लेबनान में हिसा नहीं रुकती तो वूटनीतिक प्रव्रिया आगे बढ़ाना कठिन होगा। यही कारण है कि वार्ता की समय-सीमा और स्वरूप को लेकर अनिाितता बढ़ी। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की यात्रा को पहले स्थगित किया गया था और बाद में नई बैठकों की तैयारी शुरू हुई। दूसरी ओर ईरानी प्रतिनिधिमंडल ने भी स्पष्ट संकेत दिए कि लेबनान का मुद्दा उनके लिए केवल एक क्षेत्रीय प्रश्न नहीं बल्कि भरोसे की कसौटी है। मौजूदा स्थिति में स्विट्जरलैंड एक बार फिर वैश्विक वूटनीति का वेंद्र बन गया है। ज्यूरिख और अन्य स्विस स्थलों पर अमेरिकी, ईरानी, पाकिस्तानी और क तरी प्रतिनिधियों की गतिविधियां तेज हैं। पाकिस्तान की मध्यस्थता को इस प्रव्रिया में महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि इसने पहले भी संवाद के लिए मंच उपलब्ध कराया था। इस पूरे घटनाव्रम का एक बड़ा आयाम होर्मुज जलडमरूमध्य भी है। ईरान की ओर से समय-समय पर जलमार्ग बंद करने की चेतावनी और अमेरिका द्वारा समुद्री यातायात बनाए रखने की प्रतिबद्धता ने वैश्विक ऊर्जा बाजारों की चिता बढ़ा दी है। हालांकि अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि वाणिज्यिक जहाजों की आवाजाही जारी है, लेकिन यह स्पष्ट है कि क्षेत्रीय अस्थिरता का प्रभाव केवल मध्य पूर्व तक सीमित नहीं रहेगा। विश्लेषकों का मानना है कि वर्तमान संकट समझौते के पूर्ण विफल होने का संकेत नहीं है। अमेरिका और ईरान दोनों ही पक्षों ने सार्वजनिक रूप से यह संकेत दिया है कि वे वार्ता का दरवाजा बंद नहीं करना चाहते। लेकिन यह भी उतना ही स्पष्ट है कि लेबनान में संघर्ष जारी रहने पर किसी भी बड़े समझौते को आगे बढ़ाना बेहद कठिन होगा। वूटनीति तभी सफल हो सकती है जब जमीनी हालात उसमें सहयोग करें। इस समय दुनिया की निगाहें स्विट्जरलैंड पर टिकी हैं। वहां होने वाली बातचीत केवल अमेरिका और ईरान के संबंधों को नहीं बल्कि पूरे पामि एशिया के भविष्य को प्रभावित कर सकती है। यदि वार्ता आगे बढ़ती है तो यह क्षेत्रीय स्थिरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगा। यदि नहीं तो अविश्वास, सैन्य तनाव और आर्थिक अनिाितता का नया दौर शुरू हो सकता है। फिलहाल स्थिति नाजुक है, लेकिन वूटनीति का इतिहास बताता है कि सबसे कठिन क्षणों में भी संवाद की संभावना बनी रहती है। उम्मीद की जानी चाहिए कि सभी पक्ष संयम का परिचय देंगे, युद्धविराम का सम्मान करेंगे और टकराव की जगह बातचीत को प्राथमिकता देंगे। अंततः यही आशा है कि शांति, विवेक और सामान्य समझ की जीत होगी तथा क्षेत्र को स्थायी स्थिरता का मार्ग मिलेगा।

# योगी सरकार के नौ साल: यूपी में शांति, कानून और विकास का नया युग

**मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नौ वर्षों के शासन में उत्तर प्रदेश में सुरक्षा, सुशासन और सांस्कृतिक पुनर्जागरण आया है। दंगे और माफियाराज खत्म, स्थापित हुई शांति व्यवस्था। महिलाओं की सुरक्षा बढ़ी, अपराधियों पर सख्त कार्रवाई। विकास परियोजनाओं से यूपी बना दूसरी बड़ी अर्थव्यवस्था।**

(जीएनएस)।

अब जबकि उत्तर प्रदेश में योगी सरकार के शासन के नौ वर्ष से अधिक व्यतीत हो चुके हैं तो इस बात की मीमांसा भी आवश्यक है कि आखिर जनता के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ क्या मायने रखते हैं? वे कौन से कारण हैं जो उन्हें पूर्ववर्ती शासकों से अलग पहचान देते हैं और उनके प्रति विश्वास का धरातल इतना मजबूत कैसे हुआ? उत्तर प्रदेश के लोगों ने वह समय भी देखा है जब दंगा, दलित उत्पीड़न, सनातन का अपमान और अल्पसंख्यक तुष्टिकरण इस राज्य की पहचान थे और लोगों को किसी भी मंच पर न्याय की उम्मीद नहीं दिखाई देती थी। लोग अब वर्तमान भी देख रहे हैं और उत्तर प्रदेश की बदलती आभा भी, जिसने उनका देश-विदेश सभी जगह सम्मान बढ़ाया है। योगी के प्रति भरोसे की इस धारणा को एक पंक्ति में कहा जाए तो हम कह सकते हैं कि उनके नेतृत्व में 2017 में सिर्फ सत्ता परिवर्तन ही नहीं हुआ, सुरक्षा, सुशासन, सांस्कृतिक पुनर्जागरण और विकास एक ही सूत्र में पिरोए गए और यही उत्तर प्रदेश की नई पहचान के रूप में अब स्थापित है।

एक दृष्टि हम 2017 के पहले के उत्तर प्रदेश पर भी डालते हैं। उस समय जिस तरह से वोट की राजनीति चरम पर थी और इसके लिए जिस तरह से सांप्रदायिक तुष्टिकरण को तत्कालीन सरकार ने अपने एजेंडे में शामिल किया, वह एक तरह से राज्य को राजनीतिक गुलामी की ओर ले जाना था। दलितों का उत्पीड़ना, अपराधियों और माफियाओं को संरक्षण, विकास की अनदेखी, जनता इन सबके दंश भुगत रही थी लेकिन विरोध का आत्मबल उनसे छीना जा चुका था। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े बताते हैं कि 2014-2016 के बीच अनुसूचित जाति के विरुद्ध अपराधों में उत्तर प्रदेश देश में सबसे आगे था। दलित उत्पीड़न एक्ट तो इतना निष्प्रभावी था कि उसका कोई अर्थ ही नहीं रह गया था। मुजफ्फरनगर का दंगा तो राज्य पर ऐसा कलंक है जो

शायद ही कभी धोया जा सके। जाने कितने हिंदुओं का पलायन हुआ और जाने कितने लोगों की जमीनें दबंगों ने हथियाई लेकिन सरकार मूक दर्शक बनी रही। आक्रोश का लावा कभी न कभी फटता ही है और 2017 में लोगों ने इसे अपने मतों से अभिव्यक्त किया। प्रदेश की 403 विधानसभा सीटों में से भाजपा को 312 सीटें। यह सिर्फ एक राजनीतिक दल को बहुमत ही नहीं था, अपने अपमान से आहत जनता का विद्रोह था।

जब जनता किसी राजनीतिक दल को इस तरह शिरोधार्य करती है तो सरकार से अपेक्षाएं अत्यंत ही गहरी हो जाती हैं। मुख्यमंत्री के रूप में योगी आदित्यनाथ ने इस चुनौती को समझा ही नहीं, आत्मसात भी किया। पं. दीनदयाल उपाध्याय कहते थे कि जब तक शासन व्यवस्था अपनी सांस्कृतिक आत्मा से विमुख रहेगी, तब तक वह लोक-कल्याण का वास्तविक मार्ग प्रशस्त नहीं कर सकती। राज्य को आखिरी पंक्ति में खड़े लोगों तक पहुंचना होगा। इस अवधारणा को मुख्यमंत्री योगी ने अपने संकल्प में शामिल किया और 'सुशासन' को केवल एक प्रशासनिक शब्द ही नहीं, युगांतकारी संकल्प के रूप में आगे बढ़ाया। इसमें उन्होंने वीर सावरकर के विचारों को भी जोड़ा जो यह मानते थे कि शक्ति के बिना शांति की स्थापना असंभव है। योगी ने शक्ति को संकल्प में बदला और माफिया व अपराधियों के खिलाफ जीरो टालरेंस इसका उदाहरण है। कानून सबके लिए एक है, योगी का यह संदेश पूरे प्रदेश में गूंजा। शपथ लेने के तत्काल बाद अवैध बूचड़खानों पर कार्रवाई ने वोट बैंक की राजनीति को पीछे धकेला तो एंटी-रोमियो स्क्वाड के गठन ने बेटियों को निडर होकर घर से बाहर निकलने का आत्मबल दिया। माफिया के विरुद्ध अभियान तो शायद राज्य के इतिहास में दर्ज किया जाए। माफिया की कमर टूटने का अर्थ था संगठित अपराध का खात्मा। यानि अब राज्य में व्यापारियों को धमकाकर रंगदारी वसूलने की जुर्रत कोई नहीं करेगा।

# कनाडा से कड़वाहट खत्म: पीएम मोदी-कार्नी की केमिस्ट्री से 2026 तक फ्री ट्रेड डील संभव; खनिजों का खुलेगा खजाना

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कनाडा के पीएम मार्क कार्नी के बेहतरीन व्यक्तिगत तालमेल से भारत-कनाडा संबंधों का पूरी तरह रीसेट हो गया है। दोनों देशों ने 2026 तक ऐतिहासिक फ्री ट्रेड डील पूरी करने और 2030 तक आपसी व्यापार को 50 मिलियन डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। कनाडा के पास मौजूद भारी मात्रा में यूरेनियम, कोयला और दुर्लभ खनिज भारत की ऊर्जा और औद्योगिक जरूरतों को पूरा करने में गेम-चेंजर साबित होने जा रहे हैं।

पिछले दो साल से भारत और कनाडा के बीच जो कड़वाहट चल रही थी, वह अब पूरी तरह खत्म होने जा रही है। दोनों देशों के रिश्ते अब एक बेहद मजबूत दौर में पहुंच चुके हैं। इस बड़े कूटनीतिक बदलाव के पीछे सबसे बड़ी वजह दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों के बीच की निजी दोस्ती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कनाडा के नए प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के बीच की शानदार केमेस्ट्री ने पूरे परिदृश्य को बदल दिया है।

कनाडा के उच्चायुक्त क्रिस कूटर ने साफ कहा है कि दोनों देशों के बीच सहयोग का एक नया युग शुरू हो चुका है। उन्होंने बताया कि दोनों प्रधानमंत्री अब तक चार बार मुलाकात कर चुके हैं। दोनों नेता फोन पर लगातार बात करते हैं। यही नहीं, दोनों के बीच व्हाट्सएप पर भी संवाद होता है। फ्रांस के एवियन शहर में हुए जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान भी दोनों के बीच बेहद खास और सकारात्मक बातचीत हुई। दोनों ही नेता जमीन पर नतीजे देने में भरोसा रखते हैं। दोनों में काम को जल्द से जल्द पूरा करने की एक जैसी तड़प है। यही वजह है कि पुराना तनाव अब बीते दिनों की बात हो चुका है।

आर्थिक मोर्चे पर दोनों देश एक नया इतिहास रचने की तैयारी में हैं। दोनों देशों ने व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते यानी सेपा (सीईपीए) को साल 2026 के अंत तक पूरा करने का लक्ष्य रखा है। उच्चायुक्त कूटर ने इस डेडलाइन को बेहद व्यावहारिक बताया है। हाल ही में भारत के वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल देश के अब तक के सबसे बड़े व्यापारिक दल के साथ कनाडा गए थे। उनके साथ कनाडा के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मंत्री मनिंदर सिद्धू ने भी कमान संभाली। इस यात्रा ने ठंडे पड़े रिश्तों की दिशा और दशा को पूरी तरह बदल दिया।

दोनों देशों ने अब एक नया और बड़ा लक्ष्य तय किया है। भारत और कनाडा का इरादा साल 2030 तक आपसी व्यापार को तीन गुना करने का है। इसे मौजूदा 17 मिलियन डॉलर से बढ़ाकर 50 मिलियन डॉलर पहुंचाया जाएगा। व्यापारिक जगत भी इस डील को लेकर बहुत उत्साहित है। निवेश की बात करें तो कनाडा ने भारत में लगभग 109 अरब डॉलर का बड़ा निवेश कर रखा है। यह इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में कनाडा के कुल निवेश का 25 फीसदी हिस्सा है। दूसरी तरफ, कनाडा में भारत का निवेश करीब 11 अरब डॉलर है। यह नई डील केवल टैक्स में कटौती तक सीमित नहीं होगी। इसका दायरा बहुत बड़ा और व्यापक होगा।

कनाडा के पास क्लीन एनर्जी और महत्वपूर्ण खनिजों (क्रिटिकल मिनरल्स) का खजाना है। यह खजाना भारत की औद्योगिक विकास यात्रा के लिए ईंधन का काम करेगा। कनाडा के पास लगभग छह अरब टन धातुकर्म कोयला (मेटालर्जिकल कोल) है। भारत को अपनी भारी इंडस्ट्री के लिए इसकी सख्त जरूरत है। इसके अलावा, भारत अपनी परमाणु ऊर्जा क्षमता को आठ गीगावाट से बढ़ाकर 100 गीगावाट करना चाहता है। इस प्रोजेक्ट के लिए भारत को भारी मात्रा में यूरेनियम चाहिए। कनाडा दुनिया में यूरेनियम का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है। वह भारत के लिए सबसे भरोसेमंद सप्लायर बनने को तैयार है।

चीन के दबदबे को चुनौती देने के लिए भी यह दोस्ती बहुत अहम है। चीन से बाहर दुनिया में जितने भी दुर्लभ खनिजों (रेयर अर्थ्स) के प्रोजेक्ट्स चल रहे हैं, उनमें से एक-तिहाई अकेले कनाडा में हैं। कनाडा ने इसके प्रोसेसिंग के लिए सस्केचेवान में उत्तरी अमेरिका का पहला प्लांट भी शुरू कर दिया है। इसके अलावा, कनाडा अगले एक से दो साल में 50 मिलियन टन प्राकृतिक गैस, एलपीजी और तेल निर्यात करने की क्षमता हासिल कर लेगा। इसके लिए वह अपने पश्चिमी तट पर इंफ्रास्ट्रक्चर को युद्ध स्तर पर अपग्रेड कर रहा है। ब्रिटिश कोलंबिया जैसे राज्यों में खदानों की मंजूरी का समय भी घटाकर सिर्फ एक साल कर दिया गया है।

पीएम मोदी को कनाडा का न्योता

इस पूरी कवायद का सबसे खूबसूरत हिस्सा सुरक्षा के मोर्चे पर आया बदलाव है। पिछले दिनों जो भी तनाव था, उसे पीछे छोड़ते हुए दोनों देशों की सुरक्षा एजेंसियों ने एक मजबूत और पारदर्शी सिस्टम बना लिया है। दोनों पक्षों के अधिकारी एक-दूसरे की कार्यशैली को अच्छी तरह समझ चुके हैं। अब दोनों तरफ एक ही बात पर सहमति है कि काम में कोई भी ऐसी बात नहीं होनी चाहिए जिससे दूसरा पक्ष हैरान या असहज हो जाए।

वैश्विक कूटनीति की बात करें तो कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने डावोस के वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में एक खास थ्योरी दी थी। इसे 'वेरिएबल ज्योमेट्री' कहा गया है। इसका सीधा मतलब यह है कि जो देश महाशक्ति नहीं हैं, वे अपनी संप्रभुता और हितों की रक्षा के लिए आपस में मजबूत साझेदारियां बनाएं। भारत और कनाडा की यह नई दोस्ती इसी रणनीति का हिस्सा है। रिश्तों की इस नई गर्माहट को और मजबूत करने के लिए प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने पीएम मोदी को इसी साल कनाडा आने का आधिकारिक न्योता भी दे दिया है। कूटनीतिक गलियारों में इस प्रस्तावित दौरे को लेकर तैयारियां शुरू हो चुकी हैं।

# अयोध्या पहुंचते ही भावुक हुई एयरहोस्टेस, जमीन पर सिर रखकर किया प्रणाम- वीडियो वायरल

(जीएनएस)।

अयोध्या एयरपोर्ट पर फ्लाइट से उतरते ही एक एयरहोस्टेस ने श्री राम जन्मभूमि की दिशा में माथा टेककर अपनी आस्था दिखाई. यह भावुक पल कैमरे में कैद हुआ और अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है

आस्था और भक्ति का ऐसा नजारा कम ही देखने को मिलता है, जिसने सोशल मीडिया पर लोगों का दिल जीत लिया है. अयोध्या एयरपोर्ट से सामने आए एक वायरल वीडियो में एक एयरहोस्टेस की श्रद्धा ने हर किसी को भावुक कर दिया. जैसे ही फ्लाइट लैंड होती है और एयरहोस्टेस विमान से बाहर निकलती है, वह सीधे श्री राम जन्मभूमि की दिशा में झुककर माथा टेक देती है. यह दृश्य इतना खास है कि लोग इसे बार-बार देख रहे हैं और जमकर शेयर कर रहे हैं.

वीडियो में नजर आता है कि एयरहोस्टेस जैसे ही प्लेन से नीचे उतरती है, वह कुछ कदम आगे बढ़ती

है और फिर जमीन पर सिर रखकर भगवान श्री राम के प्रति अपनी श्रद्धा प्रकट करती है. वहां मौजूद लोग भी इस पल को देखकर हैरान रह जाते हैं. यह नजारा दिखाता है कि आस्था किसी भी पेशे या जगह की मोहताज नहीं होती. हालांकि एबीपी लाइव वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है, खबर केवल सोशल मीडिया पर हो रहे दावों के आधार पर लिखी गई है.

**अयोध्या पहुंचते ही किया नमन**

बताया जा रहा है कि यह वीडियो अयोध्या एयरपोर्ट का है, जहां हाल ही में यात्रियों और स्टाफ के बीच धार्मिक भावनाएं अक्सर देखने को मिलती हैं. एयरहोस्टेस का यह अंदाज लोगों को इसलिए भी खास लगा क्योंकि उसने बिना किसी दिखावे के अपने विश्वास को जाहिर किया. यह पल कैमरे में कैद हो गया और अब इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा है.

वीडियो वायरल होते ही सोशल मीडिया पर लोगों ने जमकर प्रतिक्रिया दी. कई यूजर्स ने लिखा कि ह्लयही है सच्ची भक्ति.ह्व कुछ ने कहा कि ह्लदिल जीत लिया इस दृश्य ने.ह्व वहीं कुछ लोग इसे भारत की संस्कृति और आस्था की खूबसूरत झलक बता रहे हैं. तो वहीं कुछ यूजर्स ने लिखा कि अगर आप इतनी बड़ी भक्त हैं तो अपनी भक्ति को अपने तक रखें, कैमरे के सामने ढोंग करने से श्री राम खुश नहीं होते. वीडियो को @bhumidixit__ नाम के एक्स अकाउंट से शेयर किया गया है जिसे अब तक लाखों लोगों ने देखा है.

# भारत के खिलाफ सीरीज के लिए आयरलैंड टीम का ऐलान, इस दिग्गज को सौंपी गई कमान

(जीएनएस)।

क्रिकेट आयरलैंड ने भारत दौरे (टी20 सीरीज) के लिए अपनी 14 सदस्यीय टीम का आधिकारिक ऐलान कर दिया है। बेलफास्ट में खेली जाने वाली इस दो मैचों की टी-20 इंटरनेशनल सीरीज से पहले मेजबान टीम को बड़े रणनीतिक बदलाव के लिए मजबूर होना पड़ा है। नियमित कप्तान पॉल स्टर्लिंग के चोटिल होने के कारण स्टार टॉप ऑर्डर बल्लेबाज और विकेटकीपर लॉर्कन टकर को टीम का नया कप्तान नियुक्त किया गया है।

आयरलैंड की टीम के बाहर होने वाले खिलाड़ियों और उनकी चोटों की सूची काफी लंबी है, जो टीम के संतुलन को बिगाड़ सकती है। नियमित कप्तान पॉल स्टर्लिंग पैर की मांसपेशी फटने के कारण बाहर हैं। वहीं जोश लिटिल स्ट्रेस फ्रैक्चर के कारण गेंदबाजी आक्रमण कमजोर नजर आ रहा है। मार्क अडायर रेक्टस मांसपेशी में खिंचाव के कारण टीम का हिस्सा नहीं

हैं। बैरी मैकार्थी और जॉर्डन नील भी चोट के कारण सीरीज से बाहर हैं।

चोटों के इस संकट के बीच नेशनल मेंस सेलेक्टर एंड्रयू व्हाइट ने कहा कि हम इस सच को छुपा नहीं सकते कि हम चोटों से बुरी तरह घिरे हैं। लेकिन मेरा मानना है कि एक खिलाड़ी का दुर्भाग्य दूसरे के लिए बड़ा अवसर होता है। इसी सोच के साथ हमने 14 सदस्यीय टीम में 3 नए चेहरों को शामिल किया है। टीम में शामिल होने वाले नए युवा खिलाड़ी जय मूंदड़ा, मैथ्यू हॉलार्ड और रूबेन विल्सन हैं। विल्सन ने पिछले महीने न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट डेब्यू किया था, लेकिन टी20 फॉर्मेट में वे अभी अनकैप्ड हैं।

साल 2016 में डेब्यू करने वाले और घरेलू क्रिकेट में लेइनस्टर लाइटनिंग की कप्तानी का अनुभव रखने वाले लॉरकन टकर ने जिम्मेदारी मिलने पर कहा कि यह मेरे लिए बड़ा सम्मान और जिम्मेदारी है। मेरा दृष्टिकोण टीम के भीतर से नेतृत्व करने और खुद उदाहरण पेश करने का है। खिलाड़ियों के साथ मेरे अच्छे संबंध हैं और मैं ईमानदारी व सहानुभूति के साथ कप्तानी करूंगा ताकि सभी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दे सकें।

**भारत के खिलाफ आयरलैंड की टी20 टीम**

लॉरकन टकर (कप्तान), रॉस अडायर, बेन कैलिट्ज, गैरेथ डेलानी, जॉर्ज डॉकरेल, स्टीफन डोहेनी, मैथ्यू हम्फ्रीज, गेविन होए, मैथ्यू हॉलार्ड, लियाम मैकार्थी, जय मूंदड़ा, हैरी टेक्टर, टिम टेक्टर और रूबेन विल्सन।

# ऋषभ पंत ने अपनी मर्जी से नहीं छोड़ी लखनऊ सुपर जाएंट्स की कप्तानी? टीम प्रबंधन के दबाव का किया जा रहा दावा

(जीएनएस)।

ऋषभ पंत ने लखनऊ सुपर जाएंट्स की कप्तानी छोड़ने का फैसला किया था, लेकिन अब इसे लेकर बड़ा दावा किया जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, पंत ने फैसला अपनी मर्जी से नहीं लिया था।

आईपीएल 2026 का सीजन खत्म होने से पहले लखनऊ सुपर जाएंट्स के कप्तान ऋषभ पंत ने टीम की कप्तानी छोड़ने का फैसला किया था। लखनऊ के लिए यह सीजन अच्छा नहीं रहा था और टीम अंक तालिका में सबसे नीचे 10वें स्थान पर रही थी। फ्रेंचाइजी ने आधिकारिक तौर पर घोषणा की थी कि 10 टीमों की इस प्रतियोगिता में आखिरी स्थान पर रहने के बाद स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने कप्तानी छोड़ने का अनुरोध किया था, जिसे स्वीकार कर लिया गया। अब इस बारे में बड़ा दावा किया जा रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, पंत ने अपनी मर्जी से कप्तानी नहीं छोड़ी थी।

पंत ने जब कप्तानी छोड़ी थी तो लखनऊ फ्रेंचाइजी की तरफ से बयान सामने आया था। इस बयान के अनुसार, पंत ने अपनी मर्जी से ऐसा किया। लेकिन अब रिपोर्ट में चौंकाने वाला दावा किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, 28 वर्षीय ऋषभ पंत ने खुद स्वेच्छा से कप्तानी नहीं छोड़ी थी, बल्कि लखनऊ मैनेजमेंट ने उन्हें पद से हटाया है। इस फैसले से आहत होकर पंत ने फ्रेंचाइजी छोड़ने का मन बना लिया, क्योंकि उन्हें वहां कमतर आंका जा रहा था।

इस बीच कुछ रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया जा रहा है कि ऋषभ पंत अपनी पुरानी फ्रेंचाइजी दिल्ली कैपिटल्स में वापस लौट सकते हैं। इसके लिए एक ट्रेड डील पर बात चल रही है, जिसके तहत दिल्ली के स्पिनर कुलदीप यादव लखनऊ का हिस्सा बन सकते हैं। खबरों की मानें तो पंत दिल्ली में दोबारा शामिल होने के लिए अपनी सैलरी में कटौती कराने को भी तैयार हैं, जिसके साथ उन्होंने पहले आठ सीजन बिताए हैं।

लखनऊ सुपर जाएंट्स ने आईपीएल मेगा ऑक्शन में ऋषभ पंत को 27 करोड़ रुपये की भारी-भरकम रकम देकर खरीदा था, जो आईपीएल इतिहास की सबसे बड़ी बोली थी। हालांकि, यह महंगी साझेदारी सिर्फ दो सीजन में ही खत्म होने की कगार पर पहुंच गई है। पंत का सफर हालांकि, लखनऊ में उतार-चढ़ाव भरा और चुनौतीपूर्ण रहा। लखनऊ लगातार तीसरे साल प्लेऑफ में जगह बनाने में नाकाम रही। पंत ने लखनऊ के लिए खेले 28 मैचों में 135.7 के स्ट्राइक रेट से कुल 581 रन बनाए।

# 150 करोड़ फीस छोड़ राजनीति में आए विजय, फिर जो हुआ उसने तमिलनाडु की राजनीति बदल दी

(जीएनएस)।

तमिल सिनेमा में करोड़ों दिलों पर राज करने वाले जोसफ विजय चंद्रशेखर, जिन्हें दुनिया 'थलापति विजय' और उनके प्रशंसक 'इलाया थलपति' यानी युवा नेता के नाम से जानते हैं, आज सिर्फ फिल्मी दुनिया का नहीं बल्कि राजनीति का भी बड़ा नाम बन चुके हैं। एक ऐसा अभिनेता जिसने दशकों तक बॉक्स ऑफिस पर राज किया और फिर राजनीति में कदम रखकर मुख्यमंत्री बनकर खुद को एक नए अवतार में पेश किया।

22 जून को जन्मे विजय का जन्मदिन उनके प्रशंसकों के लिए किसी त्योहार से कम नहीं माना जाता। हर साल उनके जन्मदिन पर तमिलनाडु के अलग-अलग हिस्सों में रक्तदान शिविर, गरीबों को भोजन वितरण, छात्रों को शैक्षणिक सामग्री देने जैसे सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। यही सामाजिक जुड़ाव आगे चलकर उनकी राजनीतिक ताकत की नींव बना।

22 जून 1974 को मद्रास (अब चेन्नई) में जन्मे विजय फिल्मी परिवार से आते हैं। उनके पिता एस. ए. चंद्रशेखर दक्षिण भारतीय सिनेमा के चर्चित निर्देशक रहे हैं, जबकि उनकी मां शोभा चंद्रशेखर एक जानी-मानी प्लेबैक सिंगर हैं। सिनेमा के प्रति रुचि उन्हें विरासत में मिली और बहुत कम उम्र में ही उन्होंने कैमरे के सामने काम करना शुरू कर दिया। धीरे-धीरे वे तमिल सिनेमा की सबसे बड़ी स्टार पावर में बदल गए।

विजय ने बाल कलाकार के रूप में अभिनय शुरू किया था। बतौर मुख्य अभिनेता उनकी पहली फिल्म 1992 में रिलीज हुई 'नालया थीरपू' थी। शुरूआती वर्षों में उन्हें आलोचनाओं का सामना भी करना पड़ा, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी।

1996 में आई 'पूवे उनक्कागा' ने उनके करियर की दिशा बदल दी। इसके बाद 'घिल्ली', 'पोक्किरी', 'थुप्पाकी', 'कत्थी', 'मेर्सल' और कई सुपरहिट फिल्मों ने उन्हें तमिल सिनेमा का सबसे भरोसेमंद स्टार बना दिया। उनकी फिल्मों में एक्शन, डांस और सामाजिक संदेशों का ऐसा मिश्रण दिखाई देता था जिसने उन्हें आम लोगों से जोड़े रखा। यही वजह रही कि वे सिर्फ अभिनेता नहीं बल्कि एक जनप्रिय चेहरा बन गए।

अपने करियर के सबसे सफल दौर में विजय एक फिल्म के लिए 150 से 200 करोड़ रुपये तक फीस लेने वाले कलाकारों में गिने जाते थे। लेकिन इसी दौरान उन्होंने ऐसा फैसला लिया जिसने पूरे दक्षिण भारतीय फिल्म उद्योग को चौंका दिया।

उन्होंने घोषणा की कि अपनी 69वीं फिल्म 'जन नायकन' के बाद वे फिल्मों को अलविदा कह देंगे और पूरी तरह राजनीति पर ध्यान केंद्रित करेंगे। विजय का मानना था कि समाज के लिए बदलाव की बात सिर्फ पर्दे पर नहीं बल्कि वास्तविक जीवन में भी की जानी चाहिए।

2 फरवरी 2024 को विजय ने अपनी राजनीतिक पार्टी 'तमिलगा वेत्री कड़गम' (ळश्ङ) की स्थापना की। पार्टी की विचारधारा को उन्होंने सामाजिक न्याय, समानता और धर्मनिरपेक्ष मूल्यों पर आधारित बताया। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना था कि विजय की लोकप्रियता वोटों में बदलेगी या नहीं, यह बड़ा सवाल होगा। लेकिन उनके प्रशंसकों और जमीनी नेटवर्क ने पार्टी को शुरूआती दौर से ही मजबूत आधार देना शुरू कर दिया।

2026 का विधानसभा चुनाव तमिलनाडु की राजनीति में एक ऐतिहासिक मोड़ माना गया। दशकों से राज्य की राजनीति मुख्य रूप से उ्टङ और अक्कउ्टङ के इर्द-गिर्द घूमती रही थी। लेकिन विजय की पार्टी ने चुनावी मैदान में जोरदार प्रदर्शन करते हुए खुद को प्रमुख राजनीतिक शक्ति के रूप में स्थापित कर दिया।

PRGI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR
Rage.Office: TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005 Gujarat,India. Phone : (O) 9016333307(M)9328333307,9825333307
Email : garvigujarat2007@gmail.com*garvigujarat2007@yahoo.com*Website : www.garvigujarat.co.in

# लखीमपुर-सीतापुर हाईवे पर हादसाः अयोध्या से लौट रहे श्रद्धालुओं की कार नहर में गिरी, पांच घायल

(जीएनएस)।

लखीमपुर। लखीमपुर-सीतापुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर रविवार देर रात एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। कस्बा ओयल के बेहजम तिराहे के निकट स्थित फौजी धर्मकांटा के पास से गुजर रही शारदा सहायक नहर की माइनर में एक वैगनआर कार अनियंत्रित होकर जा गिरी।

हादसे में कार सवार पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों और पुलिस की तत्परता से सभी घायलों को सुरक्षित बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया।

जानकारी के अनुसार रविवार रात करीब दो बजे लखनऊ की ओर से आ रही वैगनआर कार अचानक अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे बनी छोटी नहर में जा घुसी। कार के नहर में गिरते ही तेज आवाज हुई, जिसे सुनकर आसपास झुग्गियों में रह रहे लोग मौके पर दौड़ पड़े। उसी दौरान क्षेत्र में गश्त कर रही पुलिस टीम भी घटनास्थल पर पहुंच गई।

स्थानीय लोगों और पुलिसकर्मियों ने संयुक्त रूप से राहत कार्य शुरू किया और कार में फंसे सभी घायलों को बाहर निकाला। इसके बाद एंबुलेंस की मदद से उन्हें जिला अस्पताल भेजा गया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद सभी की गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए लखनऊ रेफर कर दिया।

हादसे में घायल लोगों की पहचान शहर के मोहल्ला शांतिनगर गढ़ी रोड निवासी आशुतोष नंदन दीक्षित उर्फ रिंकू (52) पुत्र रविशंकर, उनकी पत्नी रेनू, 15 वर्षीय पुत्र शिवांश, तथा मोहल्ले के ही अधिवक्ता रामप्रकाश तिवारी और उनकी पत्नी सरिता के रूप में हुई है।

बताया गया कि सभी लोग अयोध्या दर्शन के लिए गए थे और रविवार रात वापस लखीमपुर लौट रहे थे। कार को आशुतोष नंदन दीक्षित चला रहे थे। जैसे ही वाहन ओयल क्षेत्र में पहुंचा, अचानक नियंत्रण बिगड़ गया और कार सीधे नहर में जा गिरी।

प्रारंभिक तौर पर चालक को झपकी आने अथवा वाहन के अनियंत्रित होने की आशंका जताई जा रही है, हालांकि हादसे के सही कारणों की जांच की जा रही है।

दुर्घटनाग्रस्त कार को नहर से बाहर निकालने की कार्रवाई शुरू कर दी गई। हादसे के बाद कुछ समय तक क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।

पुलिस का कहना है कि सभी घायलों का इलाज चल रहा है और मामले की जांच की जा रही है। स्थानीय लोगों ने राहत कार्य में सहयोग करने वाले ग्रामीणों और पुलिसकर्मियों की सराहना की, जिनकी तत्परता से बड़ा हादसा टल गया।

# पंजाब कैबिनेट ने स्टेट डेटा इंटीग्रेशन प्लेटफॉर्म लागू करने को स्वीकृति दी

(जीएनएस)।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब कैबिनेट ने विद्यार्थियों और अभिभावकों के हितों की रक्षा करने, औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने, डिजिटल गवर्नेंस को मजबूत करने तथा प्रशासनिक पहुंच में सुधार लाने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण फैसले लिए।

कैबिनेट ने निजी गैर-सहायता प्राप्त स्कूलों की फीस वृद्धि को नियंत्रित करने के लिए अध्यादेश को मंजूरी दी, औद्योगिक रियायतों संबंधी दिशानिदेर्शों में संशोधन किया, स्टेट डेटा इंटीग्रेशन प्लेटफॉर्म लागू करने की स्वीकृति दी तथा जिला होशियारपुर के अंतर्गत आने वाले दसूहा उपमंडल के लिए अतिरिक्त उपायुक्त (जनरल) और सहायक स्टाफ के पद सृजित करने को मंजूरी दी।

**निजी गैर-सहायता प्राप्त स्कूलों की फीस वृद्धि पर लगाम**

मुख्यमंत्री कार्यालय के प्रवक्ता ने बताया कि निजी गैर-सहायता प्राप्त स्कूलों द्वारा फीस में की जाने वाली अनावश्यक और अनुचित बढ़ोतरी को नियंत्रित करने के लिए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की अगुवाई वाली पंजाब कैबिनेट ने 'पंजाब रेगुलेशन ऑफ फीस ऑफ अन-एडेड एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस (संशोधन) अध्यादेश, 2026' को लाने को मंजूरी दे दी है। यह अध्यादेश 'पंजाब रेगुलेशन ऑफ फीस ऑफ अन-एडेड एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस एक्ट, 2016' में संशोधन करके लाया गया है।

इस कदम का उद्देश्य फीस वृद्धि पर प्रभावी नियंत्रण रखना, विद्यार्थियों और अभिभावकों को मनमानी फीस बढ़ोतरी से सुरक्षा प्रदान करना, फीसों के ढांचे में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना तथा उनके हितों की रक्षा करना है। इन संशोधनों के तहत फीस, फीस वृद्धि और कुल फीस वृद्धि की परिभाषाओं को अधिक स्पष्ट बनाया गया है। साथ ही, निजी गैर-सहायता प्राप्त स्कूलों द्वारा वार्षिक फीस वृद्धि की अधिकतम सीमा 5 प्रतिशत तय की गई है। 5 प्रतिशत से अधिक फीस बढ़ाने के लिए संबंधित नियामक संस्था की पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य होगा।

**औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए पूंजी सब्सिडी संबंधी दिशानिदेर्शों में संशोधन**

एक अन्य महत्वपूर्ण निर्णय में कैबिनेट ने राज्य की औद्योगिक नीतियों के तहत कैपिटल सब्सिडी एवं निवेश प्रोत्साहनों के वितरण के लिए 13 नवंबर 2019 के दिशानिदेर्शों में संशोधन को भी मंजूरी दी।इन संशोधनों का उद्देश्य सब्सिडी वितरण प्रक्रिया को सरल और सुचारु बनाना, प्रशासनिक दक्षता में सुधार करना तथा पात्र औद्योगिक इकाइयों के साथ समान व्यवहार सुनिश्चित करना है। संशोधित व्यवस्था के अनुसार, दिशानिदेर्शों की धारा 1.1 और 1.2 में छूट मिलने के बाद पात्र बनने वाली औद्योगिक इकाइयों को आवश्यक दस्तावेजों के सत्यापन और निर्धारित शर्तों की पूर्ति के आधार पर कैपिटल सब्सिडी जारी की जाएगी।

**पंजाब में स्टेट डेटा इंटीग्रेशन प्लेटफॉर्म लागू करने को मंजूरी**

राज्य के विभिन्न विभागों के अनेक डेटाबेसों को आपस में जोड़ने, किसी भी दोहराव को समाप्त करने और मौजूदा प्रक्रियाओं को अधिक प्रभावी बनाने के लिए कैबिनेट ने पंजाब में स्टेट डेटा इंटीग्रेशन प्लेटफॉर्म (एसडीआईपी) लागू करने को मंजूरी दी है।परियोजना के सुचारु क्रियान्वयन के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में तीन-स्तरीय संचालन समिति गठित की जाएगी।इस संचालन समिति में पंजाब के मुख्य सचिव चेयरपर्सन होंगे, प्रशासनिक सचिव (गुड गवर्नेंस) मैंबर कनवीनर होंगे तथा विभिन्न विभागों के प्रशासनिक सचिव सदस्य के रूप में शामिल होंगे।

**दसूहा उपमंडल के लिए एडीसी (जनरल) और सहायक स्टाफ के पदों को मंजूरी**

कैबिनेट ने जिला होशियारपुर के अंतर्गत आने वाले दसूहा उपमंडल के लिए अतिरिक्त उपायुक्त (जनरल) तथा अन्य सहायक स्टाफ के पद सृजित करने को भी मंजूरी दे दी है। इस निर्णय से क्षेत्र के उन लोगों को बड़ी राहत मिलेगी जिन्हें जिला स्तरीय प्रशासनिक कार्यों, अनुमतियों, राजस्व मामलों तथा जन शिकायतों के निपटारे के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी। इससे लोगों के समय और धन दोनों की बचत होगी तथा जनहित से जुड़े मामलों का निपटारा भी तेजी से हो सकेगा। इसलिए जनसुविधा को ध्यान में रखते हुए जिला होशियारपुर के अंतर्गत दसूहा उपमंडल में अतिरिक्त उपायुक्त (जनरल) सहित सहायक स्टाफ के कुल पांच पद सृजित करने की स्वीकृति प्रदान की गई है।

# लखनऊ अग्निकांड पर प्रियंका चतुर्वेदी का सवाल, बोलीं- 'मुआवजा, जांच और फिर सब भूल जाते हैं'

**लखनऊ अग्निकांड की जानकारी मिलते ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अलीगढ़ का दौरा बीच में ही छोड़कर राज्य की राजधानी लौट आए हैं.**

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश के लखनऊ में अलीगंज में हुए अग्निकांड में 15 छात्रों की मौत के बाद राजनीतिक दलों की प्रतिक्रियाएं भी आने लगीं हैं. लखनऊ अग्निकांड को लेकर शिवसेना (UBT) नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने सवाल उठाए हुए इस घटना पर दुख जताया है.

पूर्व सांसद और शिवसेना (यूबीटी) नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट किया,"एक और दिन, एक और आग. वही कहानी दोहराई जाती है - मुआवजा, जांच और फिर सब भूल जाते हैं. मैंने पिछले हफ़्ते मालवीय नगर में लगी आग के बाद इस बारे में बात की थी."

इस घटना को लेकर अधिकारियों ने बताया कि अग्निशमन विभाग को दोपहर करीब तीन बजे अलीगंज थाना क्षेत्र के उषा मेहता मार्ग पर स्थित एक कोचिंग संस्थान की इमारत में आग लगने की सूचना मिली थी. प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि आग लगने के बाद कई लोग इमारत से बाहर निकलने में कामयाब रहे, जबकि कुछ अन्य लोगों के अंदर फंस गए. KGMU के ट्रॉमा सेंटर के उटर डॉ. प्रेम राज सिंह कहते हैं, "अस्पताल में कुल 21 लोगों को लाया गया, जिनमें से छह की हालत स्थिर है. एक बच्चा जो ऊपरी मंजिल से कूदा था, उसकी कमर में चोट आई है और वह भी स्थिर है. बाकी 15 लोगों को मृत अवस्था में लाया गया था. हम जरूरी कानूनी औपचारिकताएं पूरी कर रहे हैं और शवों को मुर्दाघर भेज रहे हैं. अस्पताल में बेड आरक्षित कर दिए गए हैं और दवाओं या बेड की कोई कमी नहीं है."

# अयोध्या मंदिर चढ़ावा विवाद में दोषियों पर हो कड़ी कार्रवाई के लिए बलिया से बटुकों ने सीएम को लिखा पत्र

(जीएनएस)।

बलिया। अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी के मामले को लेकर लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। इसी क्रम में बलिया के रेवती क्षेत्र में आयोजित एक धार्मिक कार्यक्रम के दौरान महर्षि भृगु वैदिक गुरुकुलम के बटुकों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग को लेकर पत्रक भेजा।

कार्यक्रम में बटुक शिवराज पांडेय ने कहा कि भगवान श्रीराम के मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा अर्पित दान में कथित चोरी की घटना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने मुख्यमंत्री से अपील की कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों का जल्द पता लगाया जाए और उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

वहीं, बटुक हरिओम पांडेय ने कहा कि राम की नगरी में भगवान राम के नाम पर आने वाले दान में गड़बड़ी होना आस्था को ठेस पहुंचाने वाला विषय है। उन्होंने कहा कि दोषियों को जल्द चिह्नित कर कानून के अनुसार कड़ी से कड़ी सजा दी जानी चाहिए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

# न्यूमरोलॉजी पर आधारित प्रणिता घोड़े की अनूठी कला प्रदर्शनी 'ग्रह पूर्ति यन्त्रम' 2 जुलाई से मुंबई में

मुंबई, 22 जून। न्यूमरोलॉजी पर आधारित चित्रकला की नई विधा की शुरूआत करने वाली मशहूर चित्रकार सुश्री प्रणिता घोड़े की अनूठी कला प्रदर्शनी "ग्रह पूर्ति यन्त्रम" आगामी 2 जुलाई, 2026 से मुंबई में आयोजित की जा रही है।

यह जानकारी देते हुए मुंबई महानगर की प्रमुख सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था "आकृति आर्ट फाउंडेशन" के डायरेक्टर मनमोहन जायसवाल ने बताया कि यह अनूठी कला प्रदर्शनी मुंबई के भूला भाई देसाई रोड स्थित सिमरोजा आर्ट गैलरी में में 2 जुलाई से 5 जुलाई, 2026 तक सभी दर्शकों के निःशुल्क अवलोकनार्थ खुली रहेगी। 2 जुलाई, 2026 को इस कला प्रदर्शनी के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सुप्रसिद्ध साहित्यकार, वरिष्ठ समाज सेविका और लोढ़ा फाउंडेशन की अध्यक्षा श्रीमती मंजू लोढ़ा शामिल होंगी। साथ ही अन्य प्रमुख अतिथियों के रूप में मशहूर भजन सम्राट पद्मश्री अनूप जलोटा, प्रख्यात शास्त्रीय गायिका पद्मश्री डॉ. सोमा घोष, वरिष्ठ उद्योगपति अजोयकांत रुइया, समाजसेविका मालती जैन, किशोर जैन खाबिआ और देवेंद्र गुरुजी के अलावा महानगर के प्रबुद्ध कलाप्रेमी उपस्थित रहेंगे। उल्लेखनीय है कि सुश्री प्रणिता पिछले 15 वर्षों से न्यूमरोलॉजी के अंतर्गत भाग्यांक और मूलांक पर आधारित पेंटिंग करती हैं । इस बारे में सुश्री प्रणिता ने बताया कि पिछले 15 वर्षों के अध्ययन, अनुभव और निरंतर शोध के आधार पर उन्होंने

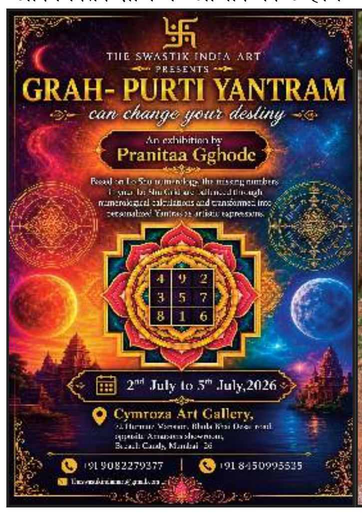

जन्मतिथि के अंकों पर आधारित व्यक्तिगत ह्यग्रहपूर्ति यंत्रह्ल की संकल्पना विकसित की है। इस प्रक्रिया में व्यक्ति की जन्मतिथि के अंकों के संतुलन, उनके गणितीय सम्बंधों का अध्ययन तथा उन्हें कलात्मक रूप में कैनवास पर प्रस्तुत करना शामिल है। उनका मानना है कि यह कला, न्यूमरोलॉजी और रचनात्मक अभिव्यक्ति का एक अनूठा संगम है।उनका कहना है कि यह विधा, कला के क्षेत्र में उनकी गहन खोज का निष्कर्ष है। उन्होंने कहा कि उनकी कला न केवल एक विजुअल ब्यूटी है, बल्कि यह जीवन में अनुकूलता, सुख-शांति और समृद्धि भी लाती है। उन्होंने बताया कि ग्रहपूर्ति यंत्र अथवा शुभ-अशुभ पूरी तरह व्यक्ति की श्रद्धा और विश्वास का विषय है। पूरी दुनिया में लोशो ग्रिड को विशेष महत्व दिया जाता है। जन्म तिथि के अनुसार जिन अंकों की आवश्यकता होती है, उनके संतुलन के लिए महंगे रत्न, विशेष रंग, पेड़ों की जड़ें तथा विभिन्न प्रकार के उपाय और रेमेडीज बताये जाते हैं। लेकिन इन सभी तरीकों में लोशो ग्रिड के मूल अंकों को बदला नहीं जाता। हिंदू धर्म में श्री यंत्र, लक्ष्मी यंत्र आदि में अंकों की स्थिति सुनिश्चित मानी जाती है, जिन्हें ग्रहों की शुभ स्थिति और संतुलन का प्रतीक माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि इन्हें घर में स्थापित करने से सकारात्मक आभामंडल निर्मित होता है, जो व्यक्ति के जीवन पर लाभकारी प्रभाव डालता है तथा मानसिक और आध्यात्मिक संतुलन बनाए रखने में सहायक होता है। उन्होंने बताया कि ग्रहों की राशि में जैसे अनेक अंक अंतर्निहित होते हैं, उसी प्रकार अंतरिक्ष में अनेक ग्रह-गोल विद्यमान हैं। इस विषय पर प्रसिद्ध भारतीय खगोलशास्त्री जयंत नारळीकर ने अपने गुरुत्वीय स्थिरांक सिद्धांत का प्रतिपादन किया है। उनके अनुसार प्रत्येक ग्रह द्वारा घिरे हुए अंतरिक्ष और उसके गुरुत्वाकर्षण के बीच का अनुपात सदैव 6.6 के स्थिरांक पर आधारित माना जाता है। इसी प्रकार ग्रहपूर्ति यंत्र में भी आड़ी, ऊर्ध्व तथा तिरछी दिशाओं में अंकों की गणना स्थिर बनी रहती है और वही हमारा भाग्यांक माना जाता है। उन्होंने कहा कि गुरुत्वीय स्थिरांक सिद्धांत पर आधारित 16 घरों वाला यह भाग्यांक यंत्र जन्मतिथि के अनुसार आवश्यक अंकों का सही संतुलन और नियोजन करता है। इसमें मूल भाग्यांक को बदला नहीं जाता।इसकी विशेषता यह है कि मूल भाग्यांक वही बना रहता है, इसलिए अलग-अलग रेमेडीज की आवश्यकता काफी हद तक कम हो जाती है।

# देवरिया में सीएम योगी के आगमन को लेकर तैयारियां तेज, डीएम-एसपी ने किया निरीक्षण

(जीएनएस)।

देवरिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के संभावित दौरे को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय हो गया है। सोमवार को जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक सहित प्रशासनिक अधिकारियों की टीम मदनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम बरांव पहुंची और प्रस्तावित कार्यक्रम स्थल का स्थलीय निरीक्षण किया।

जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने बताया कि मुख्यमंत्री का कार्यक्रम 26 जून को प्रस्तावित है। इसे देखते हुए प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक तैयारियां शुरू कर दी गई हैं।

अधिकारियों ने पकड़ी-बरांव मार्ग के समीप प्रस्तावित कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर सुरक्षा, यातायात, पार्किंग, मंच व्यवस्था, जनसभा स्थल, हेलिपैड और अन्य बुनियादी सुविधाओं की समीक्षा की।

निरीक्षण के दौरान डीएम मधुसूदन हुल्गी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए समयबद्ध तरीके से तैयारियां पूरी करने का निर्देश दिया। उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर साफ-सफाई, पेयजल, विद्युत व्यवस्था तथा आमजन की सुविधा से जुड़े सभी बिंदुओं पर विशेष ध्यान देने को कहा।

पुलिस अधीक्षक अभिजीत आर. शंकर ने सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते हुए अधिकारियों को संवेदनशील बिंदुओं की पहचान कर सुरक्षा योजना तैयार करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के आगमन को देखते हुए पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की जाएगी तथा यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए विशेष योजना लागू की जाएगी।

निरीक्षण के दौरान राजस्व, लोक निर्माण, स्वास्थ्य, विद्युत, पंचायत एवं पुलिस विभाग के अधिकारी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री के संभावित कार्यक्रम को लेकर क्षेत्र में प्रशासनिक गतिविधियां तेज हो गई हैं और तैयारियों को अंतिम रूप देने का कार्य युद्धस्तर पर जारी है।

# गुजरात से लेकर लखनऊ तक... गेमिंग जोन में जल्दी क्यों लगती है आग? जान लें वजह

(जीएनएस)। हाल ही में लखनऊ के अलीगंज इलाके के एक गेमिंग जोन में आग लग गई. इसी बीच आइए जानते हैं कि आखिर गेमिंग जोन में इतनी जल्दी आग क्यों लग जाती है.

(जीएनएस) ।सोमवार को लखनऊ के अलीगंज इलाके के पूर्णिया में एक गेमिंग जोन में आग लगने की घटना से पूरे शहर में हड़कंप मच गया. रिपोर्ट्स के मुताबिक आग के लपटें और घना धुआं तेजी से पूरी इमारत में फैलता चला गया. इसके बाद वहां मौजूद लोग जान बचाने के लिए भागने लगे. ऐसा ही एक हादसा गुजरात के राजकोट में भी हुआ था. आइए जानते हैं कि आखिर गेमिंग जोन में जल्दी क्यों लग जाती है आग.

**गेमिंग जोन में आग लगने का खतरा ज्यादा क्यों होता है?**

गेमिंग जोन को लाइटिंग इफेक्ट, साउंड प्रूफिंग, थीम आधारित इंटीरियर और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के जरिए शानदार अनुभव के लिए डिजाइन किया जाता है. अगर सुरक्षा उपायों को नजरअंदाज कर दिया जाता है तो इन आकर्षणों के लिए इस्तेमाल की जाने वाली कई चीजें और सिस्टम जानलेवा साबित हो सकते हैं. पिछली घटनाओं की जांच में बार-बार उन्हीं खतरों का पता चला है जिनकी वजह से आग काफी तेजी से फैलती है.

**आसानी से आग पकड़ने वाले इंटीरियर**

आग की तेजी से फैलने की सबसे बड़ी वजह है यह है कि गेमिंग जोन में कुछ ऐसी चीजें रखी होती हैं जो तेजी से आग पकड़ सकती हैं. गेमिंग जोन में आमतौर पर थमोकील, सिंथेटिक कपड़े , प्लास्टिक की सजावट, फाइबर पैनल और साउंड प्रूफिंग सामग्री का इस्तेमाल किया जाता है. इस तरह की चीजें कुछ ही सेकंड के अंदर आग पकड़ सकती हैं और काफी जहरीला धुआं भी पैदा कर सकती हैं.

**बिजली का ज्यादा लोड**

गेमिंग सुविधाओं में दर्जनों हाई पावर वाले इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का इस्तेमाल किया जाता है. यह सभी एक साथ चलते हैं. गेमिंग कंसोल, कंप्यूटर, वर्चुअल रियलिटी सिस्टम, एलईडी डिस्पले, एयर कंडीशनर, लाइटनिंग सिस्टम और साउंड उपकरण बिजली के नेटवर्क पर काफी ज्यादा दबाव डालते हैं. अगर वायरिंग पुरानी है और ठीक से नहीं लगाई गई या फिर उस पर काफी ज्यादा लोड है तो शॉर्ट सर्किट हो सकता है. बिजली की चिंगारी से आसपास मौजूद आसानी से आग पकड़ने वाली चीजों में तुरंत आग लग सकती है.

**डीजल और ईंधन का भंडारण**

कई गेमिंग जोन बिना रुकावट बिजली सप्लाई के लिए डीजल जनरेटर पर निर्भर होते हैं. ऐसा कहा जाता है कि गेमिंग सुविधाओं के अंदर या फिर आस-पास बड़ी मात्रा में ईंधन रखने से आग लगने का खतरा और भी ज्यादा बढ़ जाता है.

इसी के साथ वेल्डिंग, कोटिंग या फिर मरम्मत के काम से अक्सर चिंगारी निकलती रहती है. अगर ऐसे काम फोम शीट, कपड़े, प्लास्टिक के ढांचे या फिर ईंधन रखने की जगह के पास किए जाते हैं तो तुरंत आग लग सकती है.

# लखनऊ अग्निकांड में मृतकों की सूची, 19 साल से लेकर 30 साल तक के छात्रों ने गंवाई जान

लखनऊः उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के अलीगंज इलाके में सोमवार दोपहर को तीन मंजिला एक बिल्डिंग में लगी आग में झुलसकर 15 लोगों की मौत हो गई। वहीं, सात अन्य घायल हैं, जिनका इलाज केजीएमयू के ट्रॉमा सेंटर में चल रहा है। बताया जा रहा है कि इसी बिल्डिंग में एनीमेशन कोचिंग सेंटर चलता है। मरने वालों में ज्यादातर छात्र हैं।

घटना की जानकारी होते ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाथरस और अलीगढ़ कार्यक्रम रद्द करके लखनऊ लौट आए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटनास्थल पर पहुंचकर हालात का जायजा लिया और मामले की जांच के सख्त निर्देश दिए। वहीं, अस्पताल में घायलों से मिलकर उनका हालचाल जाना।

अलीगंज अग्निकांड में जान गंवाने वाले 15 लोगों में से 10 की पहचान कर ली गई है। मरने वालों में सागर (27), नीलेश (27), अनामिका (28), श्याम (30), अनुचा (25), सोमालिया (30), शाहजान (19), रुक्मणि (24), आदित्य श्रीवास्तव (23) और अब्दुल रहमान (24) हैं। पोस्टमार्टम हाउस भेजी शव के पहचान के लिए लगातार परिजन पहुंच रहे हैं। अभी कुछ शवों

की पहचान होना बाकी है।

किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) के जनसंपर्क अधिकारी के.के. सिंह ने बताया कि इस घटना में बचाव दल द्वारा कुल 22 लोगों को केजीएमयू लाया गया, जिनमें से 15 को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया है। उन्होंने बताया कि हादसे में सात अन्य लोग भी घायल हुए हैं, जिनका उपचार किया जा रहा है।

केजीएमयू की कुलपति प्रोफेसर सोनिया नित्यानंद ने ट्रॉमा सेंटर में बताया कि शवों का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। सूचना मिलने पर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, गृह विभाग के प्रमुख सचिव संजय प्रसाद और पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण मौके पर पहुंचे और बचाव अभियान की निगरानी की।

बता दें कि आग अलीगंज थाना इलाके में उषा मेहता मार्ग पर स्थित तीन मंजिला वाणिज्यिक इमारत में अपराह्न करीब तीन बजे लगी। आग पर काबू पाने के लिए कई दमकल वाहनों और ह्यहाइड्रोलिक प्लेटफॉर्मह्ल वाली गाड़ी को अभियान पर लगाया गया। पुरनिया बाजार से चंद कदमों की दूरी पर स्थित यह इमारत अलीगंज के पॉश रिहायशी इलाके में है, जहां कोचिंग सेंटर और कैफे जैसी जगहें हैं।

अधिकारियों के अनुसार बचाव अभियान के दौरान आग में फंसे लोगों को इमारत से बाहर निकाला गया। कुछ लोगों को ह्यबॉडी बैगह्ल में लाया गया, जबकि कुछ को कंबल में लपेटा गया था और एम्बुलेंस में ले जाते समय वे बेहोश लग रहे थे। इन लोगों के शवों या घायलों को बगल की इमारत की छत से बाहर निकाला गया।

# लखनऊ अग्निकांड पर भावुक हुए ब्रजेश पाठक, मीडिया से बात करते-करते रोने लगे डिप्टी सीएम

**डिप्टी उट ने बताया कि यह एनिमेशन सेंटर के रूप में संचालित था, 16 से 17 साल के बीच बच्चे यहां कार्टून एनिमेशन सीखने आते थे. घटना की उच्चस्तरीय जांच कराने की बात कही है.**

(जीएनएस)।

लखनऊए उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के अलीगंज में पुरनिया इलाके में सोमवार दोपहर एक कोचिंग में अचानक आग लगने से 15 छात्रों की दर्दनाक मौत हो गयी. घटना की जानकारी मिलते ही डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक मौके पर पहुंचे. जब मीडिया से बात कर रहे थे बताते-बताते भावुक हो गए और फफक कर रोने लगे.

डिप्टी सीएम ने बताया कि यह एनिमेशन सेंटर के रूप में संचालित था, 16 से 17 साल के बीच बच्चे यहां कार्टून एनिमेशन सीखने आते थे. उन्होंने घटना की उच्चस्तरीय जांच कराने की बात कही है. साथ ही घायलों को बेहतर से बेहतर इलाज का दावा किया है.

**15 मौतों की पुष्टि**

हालांकि सेंटर में कितने छात्र व अन्य लोग मौजूद थे इसकी जानकारी नहीं मिल सकी है, लेकिन अब तक 15 शव निकाले जा चुके हैं, जिन्हें मोर्चरी में पहुंचाया गया है.घटनास्थल पर बेहद दर्दनाक नजारा है. हर कोई गमगीन है. सीएम योगी भी अलीगढ़ का दौरा बीच में रोककर लखनऊ पहुंच चुके हैं. उन्होंने मौके पर डीजीपी और गृह सचिव को भेजकर राहत एवं बचाव के निर्देश दिए हैं.

**शॉर्ट-सर्किट से आग की संभावना**

स्थानीय लोगों के मुताबिक जिस बिल्डिंग में कोचिंग चल रही थी, उसके ग्राउंड फ्लोर पर पेट शॉप में शॉर्ट सर्किट से आग लगी, जिसने देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया और ऊपर के फ्लोर तक पहुंच गयी. आग की लपटों ने पूरी बिल्डिंग को चारों तरफ से घेर लिया. जिस कारण मृतकों की संख्या बढ़ गयी. किसी को भी बचने का मौका नहीं मिला. कई छात्रों ने जान बचाने के लिए छत और छज्जों के सहारे नीचे छलांग लगाई. उन्हें गंभीर हालत में ट्रामा सेंटर में भर्ती किया गया है. इसके अलावा मृतकों और घायलों की संख्या बढ़ने की भी संभावना है.

घटना में हताहत हुए आश्रितों को सीएम योगी ने 5-5 लाख मुआवजे का ऐलान किया है. जबकि घायलों को 50-50 हजार देने का वादा किया है. मुख्यमंत्री ने इस मामले में दोषियों को किसी भी सूरत में न बख्शने की बात कही है. घटना की जांच जारी है.

# पीएम मोदी की तारीफ कर पवन खेड़ा के निशाने पर आए, अब शशि थरूर ने की बदलते कश्मीर पर पोस्ट, भड़की कांग्रेस

**कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने प्रधानमंत्री की तारीफ करने पर शशि थरूर की आलोचना की। थरूर ने ऋॄ समिट के दौरान ढट मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मुलाकात के बाद प्रधानमंत्री की तारीफ की थी। इसी विवाद के बीच शशि थरूर ने एक बार फिर बीजेपी सरकार की तारीफ करते हुए बदलते कश्मीर को लेकर बात की।**

(जीएनएस)।

श्रीनगर : कांग्रेस नेता शशि थरूर लगातार अपनी ही पार्टी कांग्रेस के निशाने पर हैं। वह बार-बार बीजेपी और पीएम मोदी की तारीफ करके कांग्रेस का टारगेट बन रहे हैं। एक बार फिर उन्हें अपनी ही पार्टी के सदस्यों की आलोचना का सामना करना पड़ा। उन्होंने कश्मीर और हालात सामान्य होने की दिशा में हो रही अच्छी प्रगति के बारे में टिप्पणी की, जिसके बाद विवाद शुरू हुआ। उन्होंने पर लिखा, 'श्रीनगर में! आज लोक भवन में उप-राज्यपाल श्री मनोज सिन्हा के साथ एक शानदार बैठक का सौभाग्य मिला। हमने राज्य के हालात और हालात सामान्य होने की दिशा में हो रही अच्छी प्रगति पर चर्चा की। जब मैं वहां पहुंचा, तो वे कश्मीरी लेखक संघ और महिला संगठन के अध्यक्षों से बातचीत कर रहे थे - यह एक सकारात्मक पहल थी जिसका मैंने स्वागत किया।'

राज्य के मुख्य प्रवक्ता ने इन टिप्पणियों की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि कश्मीर के लोग भी उम्मीद कर रहे थे कि आप उनसे मिलेंगे ताकि जमीनी हकीकत को बेहतर ढंग से समझ सकें। कम से कम आप अपनी पार्टी के उन कार्यकर्ताओं से मिलने के लिए थोड़ा

समय तो निकाल सकते थे जो 7 साल पहले छीने गए राज्य के दर्जे को वापस पाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

शशि थरूर को जमीनी हकीकत समझने के लिए कश्मीर घाटी के आम लोगों से मिलना चाहिए। कम से कम आप समय निकालकर जम्मू-कश्मीर में अपने पार्टी कार्यकर्ताओं से मिल सकते थे।

यह घटनाक्रम उस विवाद के एक दिन बाद हुआ है जब थरूर कांग्रेस के भीतर ही आलोचनाओं के घेरे में आ गए थे। यह विवाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ बातचीत के दौरान भारतीय नागरिक नाविकों पर हमलों से जुड़ी चिंताओं को संभालने के तरीके की तारीफ करने वाली उनकी टिप्पणियों को लेकर हुआ था।

शशि थरूर ने कहा था कि पीएम मोदी ने राष्ट्रपति के साथ सार्वजनिक और निजी, दोनों तरह की बैठकों में अपनी बात स्पष्ट रूप से रखी। यह संदेश देना महत्वपूर्ण है कि युद्ध के समय, कमर्शियल जहाजों पर मौजूद नागरिक नाविक लड़ाई का निशाना नहीं बनने चाहिए। वे सैनिक नहीं हैं, और यही संदेश पीएम मोदी ने दिया।

इन टिप्पणियों पर कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या पीएम मोदी ने वास्तव में ऐसा कोई हस्तक्षेप किया था, क्योंकि न तो भारत-अमेरिका के आधिकारिक संयुक्त बयान में और न ही विदेश मंत्रालय द्वारा मोदी-ट्रंप बैठक के बारे में जारी जानकारी में इस मुद्दे का ज़िक्र था। अपनी ही पार्टी के सहयोगी पर तंज कसते हुए खेड़ा ने कहा, "मेरे वरिष्ठ सहयोगी डॉ. शशि थरूर की पीएम मोदी के प्रति प्रशंसा भौतिक दुनिया की सीमाओं से परे जाती दिख रही है। अब वे ऐसी बातें भी सुन सकते हैं जो मोदी ने कही ही नहीं हैं।"

**जवाब में क्या बोले शशि थरूर**

शनिवार को जवाब देते हुए थरूर ने अपनी टिप्पणियों का बचाव कियाः 'जो लोग मानते हैं कि मैंने ऋॄ में पीएम मोदी के कभी न कहे गए शब्द 'सुने', उनके लिए कहना चाहूंगा कि मैं केवल उनकी टिप्पणियों के बारे में व्यापक रूप से प्रकाशित रिपोर्टों का ज़िक्र कर रहा था। मैं बहुत पढ़ता हूं और जो पढ़ता हूं, उसे याद रखता हूं। उन्होंने आगे कहा,'मुझ पर कभी भी किसी तथ्य या बयान को गलत तरीके से पेश करने या उसे तोड़-मरोड़कर बताने का आरोप नहीं लगा है। प्रिंट मीडिया में मैंने जो पढ़ा, उसके आधार पर मैंने जो सारांश बताया, मैं उस पर कायम हूं।'

थरूर ने इस विवाद पर हैरानी जताते हुए कहा कि सच कहूं तो, मुझे यह बात अजीब लगती है कि भारतीय नागरिक नाविकों की सुरक्षा से जुड़े एक बयान को राजनीतिक विवाद का मुद्दा बनाया जा रहा है। इसमें तीन भारतीयों की जान चली गई। मेरी बात हमारे नागरिकों की सुरक्षा और इस सिद्धांत के बारे में थी कि नागरिक नाविकों को कभी भी सैन्य कार्रवाई का निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए।" उन्होंने आगे कहा कि "भारतीयों की जान की चिंता हमें एकजुट करनी चाहिए, न कि बांटना चाहिए।"

# योगी बिछाएंगे विकास की बिसात, पीएम मोदी देंगे चुनावी धार, पश्चिमी वढ में बीजेपी का एमवाई समीकरण

**मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को अलीगढ़ में विकास परियोजना की सौगात देने के साथ-साथ एक जनसभा को संबोधित करेंगे. रैली के जरिए सिर्फ अलीगढ़ को साधने का ही दांव नहीं बल्कि ब्रज क्षेत्र और पश्चिमी यूपी के सियासी समीकरण को दुरुस्त करने की रणनीति मानी जा रही है.**

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव का भले औपचारिक ऐलान न हुआ हो, लेकिन सियासी बिसात बिछाई जाने लगी है. पश्चिमी यूपी की सियासत में अलीगढ़ बीजेपी की चुनावी रणनीति का नया केंद्र बनता जा रहा है. सीएम योगी आदित्यनाथ सोमवार को अलीगढ़ से ही मिशन-2027 का बिगुल फूंकने उतर रहे हैं.

सीएम योगी सोमवार और मंगलवार दो दिन के अलीगढ़ के दौर पर रहेंगे. सोमवार को अलीगढ़ में विकास की सौगात देने के साथ-साथ 2027 चुनाव का शंखनाख करेंगे तो मंगलवार को हाथरस में जनसभा करेंगे.

अलीगढ़ के नुमाइश मैदान की जनसभा के बहाने सीएम योगी आदित्यनाथ और बीजेपी पश्चिमी उत्तर प्रदेश की राजनीति में अपने सियासी समीकरण को दुरुस्त बनाए रखने का दांव चलेंगे, क्योंकि सीएम योगी के बाद पीएम मोदी का दौरान भी प्रस्तावित है. इस तरह योगी-मोदी की जोड़ी यूपी के रण में पूरे दमखम के साथ उतरने जा रही है.

**सीएम योगी के अलीगढ़ दौरे के मायने**

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 18 घंटे तक अलीगढ़ में रहेंगे, जिसके चलते उनके इस दौरे के कई गहरे सियासी मायने हैं. इसे तीन प्रमुख बिंदुओं के जरिए समझा जा सकता है. पहला तो यह कि 2022 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने अलीगढ़ जिले की सभी सात सीटों पर जीत दर्ज की थी. इसके अलावा हाथरस की तीनों में से दो सीटें बीजेपी और एक सीट आरएलडी जीती थी.

सियासत की समझ रखने वाले जानते हैं कि किसी गढ़ को जीतना जितना मुश्किल होता है, लेकिन उस जीत को बरकरार रखना, उससे भी कहीं ज्यादा अहम होता है. मुख्यमंत्री योगी आदित्यथनाथ इस दौरे के जरिए 2027 से पहले ही जमीनी स्तर पर यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि सभी सात सीटों पर पार्टी का दबदबा कायम रहे और किसी भी तरह की सत्ता विरोधी लहर को पनपने से पहले ही दबा दिया जाए.

**योगी बिछाएंगे बिसात तो मोदी देंगे धार**

अलीगढ़ के सियासी मिजाज को देखते हुए योगी आदित्यनाथ अपने दौरे के जरिए बिछाएंगे विकास का रोडमैप, फिर पीएम मोदी यूपी में चुनावी अभियान को धार देने के लिए उतरेंगे. हालांकि, दोनों नेताओं के कार्यक्रमों का केंद्र बिंदु विकास परियोजनाएं होंगी, लेकिन इनके राजनीतिक मायने कहीं अधिक व्यापक हैं.

बीजेपी सूबे में विकास, निवेश और कानून व्यवस्था के मुद्दों को लेकर माहौल तैयार करने में जुट गई है. सीएम योगी अलीगढ़ में विश्वविद्यालय निरीक्षण से लेकर विकास कार्यों की समीक्षा,जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक और फिर जनसभा को संबोधित करेंगे. सीएम योगी अलीगढ़ में सड़क, नाले, अस्पताल, गो संरक्षण केंद्र, भवन सहित करीब 500 करोड़ की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करेंगे.

योगी के बाद पीएम मोदी का अलीगढ़ दौरा प्रस्तावित है, जिसमें विकास के सौगात के साथ सियासी एजेंडे को धार देने की रणनीति है. जुलाई-अगस्त में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अलीगढ़ का दौरा कर सकते हैं.इस दौरान नरेंद्र मोदी राजा महेंद्र प्रताप सिंह राज्य विश्वविद्यालय, बारहद्वारी में मल्टीस्टोरी पार्किंग एवं शापिंग कांप्लेक्स व नौरंगीलाल राजकीय इंटर कालेज में स्पोर्ट्स कांप्लेक्स जैसी बड़ी परियोजनाओं का लोकार्पण करेंगे.

साल 2021 में पीएम मोदी ने खुद राजा महेंद्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय की आधारशिला रखी थी. अब उसी परियोजना का लोकार्पण कर भाजपा विकास कार्यों की निरंतरता व समयबद्ध क्रियान्वयन का संदेश देने की तैयारी में है. राजनीतिक जानकारों का मानना है कि अलीगढ़ से भाजपा पश्चिमी उत्तर प्रदेश को बड़ा संदेश देना चाहती है.

**अलीगढ़ की जमीनी नब्ज समझेंगे योगी**

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का कार्यक्रम केवल विकास कार्यों तक सीमित नहीं रहेगा. वह बीजेपी के मंडल जनप्रतिनिधियों के साथ लोक निर्माण विभाग की वित्तीय वर्ष 2026-27 की कार्ययोजना को भी मंजूरी देंगे. इस तरह से सीएम योगी के दौरे ने अलीगढ़ के मौजूदा विधायकों और जनप्रतिनिधियों की धड़कनें बढ़ा दी हैं.

# प्रधानमंत्री मोदी ने सुबह उठते ही तमिलनाडु के सीएम विजय को दे दी जन्मदिन की बधाई, सौंपने वाले हैं बड़ी जिम्मेदारी?

**केंद्र सरकार राज्यों के साथ अपने संबंधों को बेहद मजबूत कर रही है। इसी कड़ी में डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग के लिए ऐसा ढांचा तैयार किया जा रहा है, जिससे आयात पर निर्भरता कम हो सके। मोदी सरकार का यह अभूतपूर्व प्लान है, जिसमें तमिलनाडु भी बड़ा रोल निभाने जा रहा है।**

(जीएनएस)।

नई दिल्लीः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार सुबह तमिलनाडु के मुख्यमंत्री थलपति विजय को उनके जन्मदिन की बधाई दी है। पीएम ने सुबह करीब आठ बजे ही सीएम विजय को यह बधाई दी है। माना जा रहा है कि इस बधाई के पीछे तमिलनाडु के साथ केंद्र के रिश्ते बेहतर बनाने की कोशिश है। दरअसल, केंद्र सरकार पहली बार राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के क्लस्टर बनाने पर काम कर रही है। हर क्लस्टर को खास क्क्ळ और दूसरे 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' का सपोर्ट मिलेगा। इसका मकसद डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग के लिए एक ऐसा ढांचा तैयार करना है जिससे आयात पर निर्भरता कम हो और आर्थिक विकास को बढ़ावा मिले। प्रस्तावित सात क्लस्टर उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु में पहले से मौजूद डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर से अलग हैं। इन सात में भी तमिलनाडु में भी एक क्लस्टर बनने जा रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय को जन्मदिन की बधाई दी और उनके लंबे, स्वस्थ और खुशहाल जीवन की कामना की। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर अपने संदेश में कहा, 'तमिलनाडु के मुख्यमंत्री थिरु सी जोसेफ विजय जी को जन्मदिन की बधाई। मैं उनके लंबे और स्वस्थ जीवन की कामना करता हूं।' पीएम का यह ट्वीट वायरल हो गया और इसे दोपहर तक 23 लाख से ज्यादा लोग देख चुके थे।

**11 जून को पीएम मोदी से सीएम विजस ने की थी मुलाकात**

बीते 11 जून को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से नई दिल्ली में मुलाकात की थी। राज्य में विधानसभा चुनावों के बाद पिछले महीने

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री का पद संभालने के बाद विजय की प्रधानमंत्री के साथ यह दूसरी मुलाकात थी। ढटड ने पर एक पोस्ट में कहा था, 'तमिलनाडु के मुख्यमंत्री थिरु विजय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की।

बिजनेसलाइन की एक खबर के अनुसार, 'रक्षा मंत्रालय का पूरे देश को साथ लेकर चलने वाला' प्रस्ताव विचार-विमर्श के एडवांस स्टेज में है। रक्षा उत्पादन सचिव संजीव कुमार ने 2 जून और 10 जून को राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों, डिफेंस PSU, IIT और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस जैसे स्टेकहोल्डर्स के साथ दो बैठकें की हैं। सभी सात क्लस्टर को औपचारिक रूप दिया गया और उनके लिए अलग-अलग रोडमैप या विजन डॉक्यूमेंट तैयार करने के लिए थीम तय की गईं।'

**जुलाई में जमा करनी होगी रिपोर्ट**

क्लस्टर्स से कहा गया है कि वे अगले महीने तक अपनी रिपोर्ट जमा करें। इन रिपोर्ट्स में खास एजेंडा में उनके योगदान, मुश्किलों, इंफ्रास्ट्रक्चर की जरूरतों, नियमों से जुड़ी जरूरतों और 'ईज-ऑफ-डूइंग-बिजनेस' (कारोबार में आसानी) के उपायों की जानकारी देनी होगी। इन जानकारियों के आधार पर, केंद्र सरकार डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग और व्यापक अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए पॉलिसी से जुड़े उपायों पर विचार कर सकती है।

हर क्लस्टर में एक लीड राज्य, एक को-लीड राज्य, भाग लेने वाले राज्य या केंद्र शासित प्रदेश (वळर) और फ&ऊ व इनोवेशन में मदद के लिए तय किए गए क्क्ळ और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस शामिल हैं। पहले क्लस्टर की अगुवाई कर्नाटक कर रहा है, जिसमें राजस्थान को-लीड है और केरल व छत्तीसगढ़ भाग लेने वाले राज्य हैं। IISc बेंगलुरु, क्क्ग धारवाड़, IIT जोधपुर, IIT पलक्कड़ और IIT भिलाई 'पॉलिसी, इंस्टीट्यूशनल आर्किटेक्चर और गवर्नेंस' थीम में मदद करेंगे।

दूसरे क्लस्टर की थीम 'इंडिजनाइजेशन (स्वदेशीकरण) और प्राइवेट सेक्टर की ज्यादा भागीदारी, टरटए, स्टार्ट-अप और इनोवेशन इकोसिस्टम' है। इसकी अगुवाई महाराष्ट्र कर रहा है, जिसमें मध्य प्रदेश को-लीड है और गोवा व पुडुचेरी भाग लेने वाले केंद्र शासित प्रदेश हैं। इसके इंस्टीट्यूशनल पार्टनर IIT बॉम्बे, IIT इंदौर और IIT गोवा हैं।

**तीसरे क्लस्टर की अगुवाई कर रहा है यूपी**

तीसरे क्लस्टर की अगुवाई उत्तर प्रदेश कर रहा है, जिसमें झारखंड को-लीड है और उत्तराखंड व जम्मू-कश्मीर भाग लेने वाले राज्य हैं। IIT कानपुर, IIT-BHU, IIT रुड़की और क्क्ळ जम्मू 'टेस्टिंग, सर्टिफिकेशन, क्वालिटी एश्योरेंस और स्टैंडर्ड्स' थीम में मदद करेंगे।

चौथे क्लस्टर की अगुवाई असम कर रहा है, जिसमें त्रिपुरा को-लीड है और अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, सिक्किम और लद्दाख इसमें शामिल हैं। IIT गुवाहाटी इसका इंस्टीट्यूशनल पार्टनर है।

**पांचवें क्लस्टर में हरियाणा-दिल्ली हैं**

पांचवें क्लस्टर की थीम-मार्केट एक्सेस, डिमांड विजिबिलिटी और डिफेंस एक्सपोर्ट है। इसकी अगुवाई तेलंगाना कर रहा है, जिसमें हरियाणा को-लीड है और दिल्ली, चंडीगढ़, दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव इसमें शामिल हैं। क्क्ळ हैदराबाद और क्क्ळ दिल्ली इसके स्टेकहोल्डर हैं।

**गुजरात छठे क्लस्टर की अगुवाई**

छठे क्लस्टर की अगुवाई गुजरात कर रहा है, जिसमें ओडिशा को-लीड है और हिमाचल प्रदेश और बिहार इसमें शामिल हैं। IIT गांधीनगर, राष्ट्रीय रक्षा यूनिवर्सिटी, क्क्ळ भुवनेश्वर और क्क्ळ मंडी "स्किल डेवलपमेंट और इंडस्ट्री-एकेडेमिया-रिसर्च और इनोवेशन लिंकेज" थीम में मदद करेंगे।

**सातवें क्लस्टर की अगुवाई तमिलनाडु को सौंपी**

सातवें क्लस्टर की अगुवाई तमिलनाडु कर रहा है, जिसमें आंध्र प्रदेश को-लीड है। यह 'डिफेंस इंडस्ट्रियल इंफ्रास्ट्रक्चर, क्लस्टर और कॉमन फैसिलिटीज' पर फोकस करेगा और इसे क्क्ळ मद्रास, क्क्ळ तिरुपति और क्क्ळ रोपड़ का सहयोग मिलेगा।

# 'बड़ा अजूबा है, अनुपम खेर ने मोदी जी को रिप्लेस कर दिया', लैंसडाउन में सोमनाथ भारती को क्या दिखा? कस दिया तंज

**पूर्व विधायक सोमनाथ भारती ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तंज कसा है। सोमनाभ भारती लैंसडाउन में हैं और एक वीडियो शेयर कर कहा है कि ये पहली जगह है, जहां पीएम मोदी का फोटो नहीं दिखा।**

(जीएनएस)।

लैंसडाउनः आम आदमी पार्टी के पूर्व विधायक और दिल्ली सरकार में मंत्री रह चुके सोमनाथ भारती इन दिनों उत्तराखंड के हिल स्टेशन लैंसडाउन में हैं। सोमनाथ भारती ने लैंसडाउन से एक वीडियो शेयर कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तंज कसा है। अपने वीडियो में सोमनाथ भारती ने कहा कि लैंसडाउन शायद देश में पहली जगह है, जहां उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक भी तस्वीर नहीं दिखी है। इस वीडियो में सोमनाथ भारती ने फिल्म एक्टर अनुपम खेर को टैग भी किया है।

अपने एक्स हैंडल पर वीडियो शेयर करते हुए सोमनाथ भारती ने कहा, 'मैं इस समय लैंसडाउन में हूं। ये पहली ऐसी जगह है, जहां आकर मैंने देखा कि फोटो मोदी जी का नहीं, बल्कि उनके चेले अनुपम खेर का लगा है। ये तो बड़ा अजूबा हो गया। अनुपम खेर ने मोदी जी को रिप्लेस कर दिया, कम से कम लैंसडाउन में तो कर दिया है। ये बात तो ठीक नहीं है, अपने गुरु मोदी जी का ही फोटो लगने दीजिए, क्योंकि अगर मोदी जी को पता चल गया कि उनकी जगह आपका फोटो लगा है, तो कहीं वो आपसे नाराज ना हो जाएं।'

दरअसल, सोमनाथ भारती ने अपने वीडियो में लैंसडाउन छावनी परिषद की तरफ से साफ-सफाई के प्रति जागरुक करने के लिए लगाए गए एक बोर्ड को शेयर किया है। इस बोर्ड में अनुपम खेर की तस्वीर लगी है और साथ ही उनकी तरफ से अपील करते हुए लिखा है कि यह लैंसडाउन है फौजियों की छावनी, यहां कूड़ा-करकट सड़क पर नहीं फेंकते। देखिए वीडियो-

**कौन हैं सोमनाथ भारती?**

सोमनाथ भारती दिल्ली की मालवीय नगर विधानसभा सीट से तीन बार विधायक रह चुके हैं। पेशे से सुप्रीम कोर्ट के वकील सोमनाथ भारती दिल्ली की अरविंद केजरीवाल सरकार में मंत्री भी रहे। 2024 के लोकसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी ने उन्हें इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार के तौर पर नई दिल्ली सीट से टिकट दिया, लेकिन बीजेपी नेता बांसुरी स्वराज के सामने उन्हें हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद फरवरी 2025 में हुए दिल्ली विधानसभा चुनाव में बीजेपी नेता सतीश उपाध्याय ने सोमनाथ भारती को 2131 वोटों से हरा दिया।

# 'प्रेग्नेंट एकनाथ शिंदे ने 6 गद्दारों को दिया जन्म', संजय राउत ने किसे कहा -गटरछाप आदमी?

(जीएनएस)।

महाराष्ट्र की राजनीति में शिवसेना के उद्धव ठाकरे और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे गुट के बीच छिड़ा घमासान एक बार फिर चरम पर है। उद्धव ठाकरे खेमे (यूबीटी) के छह नवनिर्वाचित लोकसभा सांसदों के पाला बदलकर शिंदे गुट में शामिल होने से राज्य की सियासत गरमा गई है। इस बड़ी पार्टी के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद संजय राउत के एक बयान ने सियासी गलियारे से लेकर सोशल मीडिया पर घमासान पैदा कर दिया है।

मीडिया से बात करते हुए संजय राउत ने कहा कि 'एकनाथ शिंदे प्रेग्नेंट थे और उन्होंने छह सांसदों को जन्म दिया है और यह डिलीवरी नंदनवन में हुई।' उन्होंने शिंदे के सरकारी आवास का ज़िक्र करते हुए यह बात कही, जहां शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में औपचारिक रूप से शामिल होने से पहले कई बागी सांसद कथित तौर पर इकट्ठा हुए थे।

आपको बता दें कि जो 6 सांसद आज शिंदे ग्रुप में शामिल हुए हैं, इनके नाम हैं जय हरिभाऊ जाधव, भाऊसाहेब राजाराम वाकचौरे, ओमप्रकाश भूपालसिंह निंबालकर, संजय दीना पाटिल, संजय उत्तमराव देशमुख और नागेश बापुराव पाटिल अष्टिकर।

**'गद्दार को गद्दार ना कहें तो क्या कहें', संजय राउत भड़के**

इससे पहले भी संजय राउत ने जब बागी नेताओं के लिए अर्मयादित शब्दों का प्रयोग किया था तो उनकी आलोचना हुई थी, इस पर संजय ने मीडिया से बात करते हुए कहा था कि 'समाज और राजनीति में जो गद्दार और बेईमान लोग हैं, उनके लिए वैसी ही भाषा का इस्तेमाल किया जाना चाहिए, जो नेता अपनी पार्टी से गद्दारी करते हैं, चाहे वे किसी भी राजनीतिक दल से हों, उनके साथ ऐसा ही व्यवहार किया जाना चाहिए, गद्दार को गद्दार ना कहें तो क्या कहें'।'

**'गटर-छाप आदमी है संजय राउत'**

शिवसेना वइळ सांसद संजय राउत के आरोपों पर शिवसेना विधायक नीलेश नारायण राणे ने सीधा निशाना साधा और कहा कि 'संजय राउत जो कहते हैं, उसे इतनी अहमियत मत दीजिए। क्या उनके पास कोई सबूत है? वे किस आधार पर कह रहे हैं कि पैसे लिए गए? क्या आप हवाला में शामिल थे? मैं उनके सवालों का जवाब क्यों दूं? वे तो 'गटर-छाप' किस्म के आदमी हैं, मैं चुनकर आया हूं , उनकी तरह राज्यसभा वाला नहीं है।'

**क्या कहा एकनाथ शिंदे ने?**

महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम और शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे ने कहा कि ' ऑपरेशन टाइगर सफल रहा, आज हमारे साथ 6 सांसद शामिल हुए हैं। संजय हरिभाऊ जाधव, भाऊसाहेब राजाराम वाकचौरे, ओमप्रकाश भूपालसिंह निंबालकर, संजय दीना पाटिल, संजय उत्तमराव देशमुख और नागेश बापुराव पाटिल अष्टिकर। तो हमारे साथ यहां 3 संजय हैं। हमारे यहां एक और संजय राठौड़ (विधायक) भी हैं। जब हमारे यहां संजय हैं, तो किसी और संजय के बारे में बात करने की जरूरत नहीं है, और